तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स

हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता

मो. 94255-32524,94241-43922

पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 36 अंक 70 | कोरबा, बुधवार , दिनांक 11 दिसम्बर 2024 डाक 12 दिसम्बर 2024 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी नई दिल्ली में निरीक्षण के दौरान एक किराने की दुकान पर लोगों से बातचीत करते हुए

देश-विदेश

अरविंद केजरीवाल को कब मिलेगा बंगला, शहरी विकास मंत्री ने बताया

फीचर पेज

वाशिंग मशीन में जूते धोए या नहीं! यहां जानिए जूतों को खराब होने से कैसे बचाएं

संभल हिंसा मामले में तेज हुई पुलिस की कार्रवाई, सैकड़ों मकानों में लटके ताले, कई गलियों में पसरा सन्नाटा

संभल, 11 दिसम्बर [एजेंसी]।

जामा मस्जिद इलाके में हुए उपद्रव के बाद पुलिस ने कानून-व्यवस्था को बहाल करने के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। उपद्रवियों की पहचान कर लगातार गिरफ्तारी की जा रही है। संवेदनशील इलाकों में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। वहीं जामा मस्जिद इलाके में सैकड़ों मकानों में ताले लटके पड़े हैं। पुलिस अब उन मकानों को चिन्हित कर कार्रवाई करने की तैयारी में लगी है। 24 नवंबर को जामा मस्जिद में एडवोकेट कमिश्नर के सर्वे के दौरान हिंसा भड़की थी। इसमें उपद्रवियों में पुलिस पर पथराव करने के साथ फायरिंग और आगजनी जैसे घटनाओं को अंजाम दिया था। उसी दिन जब जामा मस्जिद इलाके

में हिंसा शांत हुई तो उसके कुछ समय बाद ही नखासा थाना क्षेत्र के नखासा चौराहे से लेकर हिंदुपुरा खेड़ा तक उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव किया था। इसमें महिलाएं भी शामिल थीं। हालांकि इस बात को 16 दिन बीत चुके हैं। शहर में अब हालात भी सामान्य हो चुके हैं, लेकिन पुलिस का पहिया अब घूम रहा है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य फोटो और वीडियो के माध्यम से उपद्रवियों की पहचान की जा चुकी है।

लगातार दबिश देकर उनकी गिरफ्तारियां भी की जा रही हैं। अब पुलिस ने सर्च आपरेशन तेज कर दिया है। संवेदनशील क्षेत्रों की हर गली और हर कोने को खंगाला जा रहा है। उपद्रवियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उधर, जामा मस्जिद इलाके में सैकड़ों मकानों में ताले लटके पड़े हैं। हालात सामान्य होने के बावजूद भी लोग अपने घरों को नहीं लौट सके हैं। पुलिस का कहना है कि ये मकान उन लोगों के हो सकते हैं, जो उपद्रव में शामिल थे या पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए भाग गए हैं। पुलिस अब इन मकानों को चिह्नित करने की तैयारी कर रही है। मकान मालिकों की जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं जामा मस्जिद इलाके में पुलिस के साथ आरआरएफ के जवानों की तैनाती है। 24 घंटे संवेदनशील इलाकों में गश्त लगातार जारी है। सीसीटीवी कैमरों की मदद से हर आने जाने पर नजर रखी जा रही है। खुफिया पुलिस भी सक्रिय है। पुलिस ने नखासा थाना क्षेत्र के मुहल्ला दीपा सराय और तीमरदास सराय में सर्च अभियान चलाया था। एसपी कृष्ण कुमार ने हिंसा में शामिल उपद्रवियों की गिरफ्तारी के लिए दीपा सराय के 13 मकानों में छापेमारी की। जिसमें से 10 लोगों को हिरासत में लिया गया। उनके पास 93 स्मैक की पुड़िया, दो तमंचे और कारतूस भी बरामद हुए। पुलिस अब आरोपितों से पूछताछ कर रही है। साथ उनका पिछला आपराधिक रिकार्ड खंगाल रही है।

दिल्ली चुनाव से पहले मनीष सिसोदिया को बड़ी राहत, जमानत की शर्तों में दी गई ढील

नईदिल्ली, 11 दिसम्बर [एजेंसी]।

सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को आप नेता मनीष सिसोदिया की याचिका पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने मनीष सिसोदिया को राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद मनीष सिसादिया ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट डाली, जिसमें कोर्ट का आभार जताया है। सिसोदिया ने लिखा माननीय सुप्रीम कोर्ट का हृदय से आभार, जिसने जमानत की शर्त को हटाकर राहत प्रदान की है। यह निर्णय न केवल न्यायपालिका में मेरी आस्था को और मजबूत करता है, बल्कि हमारे संवैधानिक मूल्यों की शक्ति को भी दर्शाता है। मैं हमेशा न्यायपालिका और संविधान के प्रति अपने कर्तव्यों का सम्मान करता रहूंगा।आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया की याचिका पर आज यानी 11 दिसंबर को सुनवाई हुई। सिसोदिया ने जमानत की शर्तों में ढील देने की मांग की थी। दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में जमानत की शर्तों के तहत सिसोदिया को सप्ताह में दो बार जांच अधिकारी के सामने पेश होना पड़ता है। सिसोदिया की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख किया। पीठ ने 11 दिसंबर को सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई। नौ अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मामलों में सिसोदिया को जमानत दी थी।

हंदवाड़ा-बारामूला हाईवे पर बैग में मिला आईईडी, सुरक्षाबलों ने साजिश को किया नाकाम

जम्मू। कश्मीर में हंदवाड़ा-बारामूला हाईवे पर सुरक्षा बलों ने बुधवार को एक संदिग्ध इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) मिला। सुरक्षाबलों ने दहशतगर्दों की साजिश को नाकाम कर दिया। सुरक्षाबलों ने आईईडी को नष्ट कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और सेना के संयुक्त गश्ती दल को कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा इलाके के लंगेट में हाईवे के किनारे एक संदिग्ध बैग मिला। उन्होंने बताया कि बम निरोधक दस्ते को मौके पर भेजा गया और संदिग्ध बैग को एक सुनसान जगह पर ले जाया गया। अधिकारियों ने बताया कि बम निरोधक दस्ते ने नियंत्रित विस्फोट में संदिग्ध आईईडी को नष्ट कर दिया। इस घटना में कोई नुकसान नहीं हुआ। सुरक्षाबलों ने आईईडी को कब्जे में ले लिया और आतंकियों की नापाक हरकत को नाकाम कर दिया। बाद में सेना ने संदिग्ध वस्तु को नष्ट कर दिया।

पंजाब के कई जिलों में एनआईए की रेड, मानसा में अर्श डल्ला के गुर्गे के घर दबिश

मोगा, 11 दिसम्बर [एजेंसी]।

पंजाब में कई जगहों पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की रेड चल रही है। एनआईए की टीम ने यहां की रेगर बस्ती में एक व्यक्ति से पूछताछ की है। जिस व्यक्ति के घर एनआईए की टीम पहुंची उसकी बेटी की शादी है और इसी दौरान ही एनआईए की टीम उनके घर पहुंच गई। उसके अनुसार दस से पंद्रह दिन पहले उसकी बेटी के फोन पर कुछ दिन पहले विदेश से फोन आया था, और एनआईए के अधिकारी इस संबंध में पूछताछ करने के लिए आए थे। टीम के सदस्य सुबह करीबन पांच बजे रेगर बस्ती में रहने वाले बलजीत सिंह के घर पर पहुंचे थे। परिवार के सदस्य अभी सो रहे थे कि टीम ने गेट पर दस्तक दे दी। अधिकारियों ने बलजीत सिंह से पूछताछ के साथ साथ उसके मोबाइल की भी जांच की है। बताया जा रहा है कि बलजीत कुमार सफाई सेवक है और एक ठेकेदार के पास काम करता है। बलजीत सिंह ने मीडिया में आकर कुछ भी बोलने से इंकार किया है।

वहीं, मानसा में एनआईए की ओर से शहर में विशाल सिंह तथा मेहशी बॉक्सर के घर पर रेड की गई है। विशाल सिंह पटियाला जेल में बंद है, लेकिन उसके अर्श डल्ला से संबंध बताए जा रहे हैं। जबकि महेशी बॉक्सर पूर्व खिलाड़ी है और इस समय नशा तस्करी से जुड़ा बताया जा रहा है।बठिंडा में भी एनआईए की ओर से संदीप सिंह ढिल्लों कोठा गुरु, बॉबी मोड मंडी और झंडेवाला में छापेमारी की है। श्री मुक्तसर साहिब में मलोट रोड पर अमनदीन नामक व्यक्ति के घर में एनआईए टीम ने छापा मारा है, जो इस समय नाभा जेल में बंद है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज है।

कपूर परिवार का आमंत्रण पीएम मोदी ने किया स्वीकार

मुंबई 11 दिसम्बर। राज कपूर के परिवार ने दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की। कपूर परिवार ने उन्हें राज कपूर फिल्म फेस्टिवल में बुलाया। राज कपूर फिल्म फेस्टिवल अभिनेता राज कपूर के 100वें जन्मदिन पर आयोजित किया जाएगा। राज कपूर के परिवार में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, नीतू सिंह, रिद्धिमा कपूर साहनी, आदर जैन, करीना कपूर खान, सैफ अली खान, करिश्मा कपूर, अरमान जैन और उनकी पत्नी अनीसा मल्होत्रा और परिवार के अन्य सदस्यों ने पीएम मोदी से मुलाकात की।

छ.ग में भाजपा के दुश्मन बने नक्सली, दो पूर्व सरपंचों के बाद अब नेता को उतारा मौत के घाट

रायपुर। नक्सलियों ने बीती रात छत्तीसगढ़ में एक भाजपा नेता की हत्या कर दी। मामला फरसेगढ़ थाना क्षेत्र के सोमनपल्ली गांव का है। बीती रात कुछ नक्सली आए और भाजपा नेता मंडोराम के घर में घुसकर धारदार हथियारों से हत्या कर दी। पिछले सप्ताह भर में भाजपा से ताल्लुक रखने वाले दो पूर्व सरपंच सहित तीन भाजपा नेताओं की नक्सली हत्या कर चुके हैं। नक्सलियों ने इन पर भाजपा के लिए काम करने और पुलिस के लिए मुखबिरी करने के आरोप लगाए हैं।

इस बीच खबर है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 14 से 16 दिसंबर तक छत्तीसगढ़ के प्रवास के दौरान बस्तर के धुर नक्सल क्षेत्र के गांवों में जाएंगे। इस दौरान वह कुख्यात नक्सली कमांडर हिड़मा और देवा बारसे के गांव पूर्वती में भी जाएंगे। शाह यहां जवानों का हौसला बढ़ाएंगे और बलिदानी जवानों के स्वजन से मुलाकात करेंगे।

बस्तर के सुकमा-बीजापुर जिले की सरहद पर जगरगुंडा क्षेत्र में स्थित पूवर्ती गांव सुकमा जिला मुख्यालय से 120 किमी दूर है। इस गांव में पिछले कई वर्षों से नक्सलियों का कब्जा था। उनकी इजाजत के बिना यहां प्रवेश पर प्रतिबंध था। अब मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार में चल रही नियद नेल्लानार योजना से इस गांव के लोगों के लिए स्वास्थ्य शिविर भी लगाए जा रहे हैं।

दिल्ली में अकेले दम पर ही लड़ेंगे चुनाव, केजरीवाल का ऐलान, नहीं होगा आप- कांग्रेस का गठबंधन

नईदिल्ली, 11 दिसम्बर [एजेंसी]।

दिल्ली में अगले साल फरवरी में होने वाले चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने एक बड़ा एलान किया है। केजरीवाल ने बुधवार को अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट डालकर बताया कि वे दिल्ली में अकेले दम पर चुनाव लड़ेंगे। इससे पहले खबर आ रही थी कि गठबंधन के लिए कांग्रेस और आप के बीच सहमति अंतिम चरण में है। कांग्रेस को 15 सीटें और अन्य आईएनडीआईए गठबंधन सदस्यों को 1 या 2 सीटें मिल सकती है। बाकी सीटों पर आम आदमी पार्टी खुद चुनाव लड़ेगी। लेकिन अब आप ने तस्वीर साफ कर दी है कि आम आदमी पार्टी दिल्ली में अकेले ही चुनाव लड़ेगी।

दिल्ली चुनाव को लेकर सभी पार्टियों ने तैयारियां तेज कर दी है। आम आदमी पार्टी ने सोमवार (9 दिसंबर) को ही अपने 20 उम्मीदवारों की सूची जारी की। इससे पहले आप ने अपने 11 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की थी। वहीं, दिल्ली में 2015 में हुए विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को 70 में से 67 सीटें मिली थीं, जबकि बीजेपी के खाते में सिर्फ तीन सीटें ही आई थीं। खास बात यह है कि कांग्रेस को दिल्ली में एक भी सीट नहीं मिली थी।

झारखंड जमीन घोटाले में 9 आरोपियों की बढ़ीं मुश्किलें, ईडी कोर्ट में हुई सुनवाई, कसेगा शिकंजा

रांची, 11 दिसम्बर [एजेंसी]।

ईडी कोर्ट ने सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की फर्जी तरीके से खरीद-बिक्री करने के 9 आरोपियों की मुश्किलें बढ़ा दी है। रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन सहित नौ आरोपियों की हिरासत अवधि बढ़ा दी गई है। इससे पूर्व मामले में जेल में बंद नौ आरोपितों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से ईडी कोर्ट में पेश किया गया। अगली पेशी की के लिए दो जनवरी की तिथि निर्धारित की गई है। कोर्ट ने छवि रंजन, कारोबारी अमित अग्रवाल, बड़गाई अंचल के तत्कालीन राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, सेना के कब्जे वाली जमीन का फर्जी रैयत प्रदीप बागची की हिरासत अवधि बढ़ा दी है। इसके अलावा

जमीन दलाल रिम्स का कर्मी अफसर अली, इम्तियाज अहमद, सद्दाम हुसैन, तलहा खान एवं फैयाज अहमद की हिरासत अवधि बढ़ा दी है। एक आरोपित दिलीप घोष जमानत पर है। इस मामले में जमानत के लिए डीसी छवि रंजन ने पहले भी जमानत याचिका दायर की थी, जिसे ईडी कोर्ट और हाईकोर्ट ने पूरी तरह से खारिज कर दी थी। इन पर आपसी मिलीभगत से मूल दस्तावेजों में छेड़छाड़ कर, जालसाजी से रांची में जमीनों की खरीद-बिक्री के आरोपों की पुष्टि हुई थी।

ईडी की चार्जशीट में बताया है कि भू-राजस्व विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से भू-माफियाओं के पक्ष में फर्जी तरीके से इन भूखंडों का नामांतरण किया गया है। ईडी के अनुसार, रांची के बरियातू थाने में रांची नगर निगम ने सेना के कब्जे वाली जमीन के फर्जी रैयत पर जालसाजी कर जाली दस्तावेज पर दो-दो होल्डिंग लेने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उसी प्राथमिकी के आधार पर ईडी ने मामला दर्ज कर जांच की। अदालत की अनुमति से रजिस्ट्रार आफ एश्योरेंस कोलकाता और रांची के भू-राजस्व विभाग के मूल रिकार्ड की गुजरात के गांधी नगर स्थित फोरेंसिक साइंस निदेशालय से जांच कराई। इन दस्तावेजों की फोरेंसिक जांच में फर्जीवाड़ा साबित हुआ था।

बीते 41 घंटों से बोरवेल में फंसा आर्यन, प्रशासन के देसी जुगाड़ भी हुए फेल, अब बनाई गई सुरंग

दौसा, 11 दिसम्बर [एजेंसी]।

राजस्थान के दौसा जिले में बोरवेल में गिरे आर्यन को अब तक करीब 41 घंटे हो गए हैं। एनडीआरएफ-एसडीआरएफ के 6 देसी जुगाड़ बच्चे को निकालने में फेल रहे हैं। वहीं, ऑपरेशन में लगी 10 जेसीबी और दूसरी मशीनों की खुदाई का भी कोई खास असर नहीं हुआ है। जिले के कालीखाड़ गांव में 160 फीट

गहरे बोरवेल से आर्यन को निकालने के लिए अब हाईटेक मशीनों से सुरंग बनाई जा रही है।

बोरवेल में गिरने से बाद से बच्चे तक एक बूंद पानी तक नहीं पहुंच सका है। इस कारण परिवार और प्रशासन की चिंता बढ़ गई है।

संत सियाराम बाबा का निधन... मोक्षदा एकादशी और गीता जयंती के योग में हुआ प्रभु मिलन

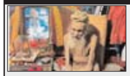

खरगोन 11 दिसम्बर। नर्मदा तट स्थित भट्टयान बुजुर्ग में संत सियाराम बाबा 95 वर्ष का बुधवार मोक्षदा एकादशी पर सुबह 6.10 मिनट पर प्रभुमिलन हो गया है। आज गीता जयंती भी है। उनका अंतिम संस्कार शाम 4 बजे आश्रम के पास किया जाएगा। बाबा पिछले 10 दिन से बीमार थे। इंदौर के डॉक्टरों ने भी उनका इलाज किया था। मूलतः गुजरात के बाबा यहां कई सालों से नर्मदा भक्ति कर रहे थे। अंतिम संस्कार में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी शामिल हो सकते हैं। आश्रम में सियाराम बाबा के अंतिम दर्शन को लोगों की भीड़ लगी है। कुछ दिनों पहले बाबा को निमोनिया की शिकायत पर सनावद के निजी अस्पताल में भर्ती किया था। इसके बाद बाबा की इच्छानुसार उनका आश्रम में ही जिला चिकित्सालय और कसरावद के डॉक्टर भी इलाज कर रहे थे।बाबा का जन्म 1933 में गुजरात के भावनगर में हुआ था। 17 साल की उम्र में उन्होंने आध्यात्मिक मार्ग पर चलने का फैसला किया था।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)

-: परामर्श का समय :- सुबह 10.30 से 1.30 (शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.(U.K) Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

अब न धुंआ उठता है, न आँख जलते हैं, स्कूल, आंगनबाड़ी में समय पर चूल्हा जलते हैं

कोरबा । कुछ माह पहले तक जिले के अन्तिमछोर के ग्राम डोकरमना की प्राथमिक शाला में विद्यार्थियों के लिए खाना पकाने वाली कामता बाई को चूल्हा जलाने के लिए न जाने क्या से क्या मशक्कत नहीं करनी पड़ती थी। पहले सूखी लकड़ियों का इंतजाम फिर उसे फूंक मार-मार कर जलाना और जलते हुए लकड़ी का फिर से बुझ जाने पर छोटे से कमरे में भरे हुए धुँए के बीच आँखों से आसुंओं को बहाते हुए कभी आँसू पोछना तो कभी कड़ाही पर करछुल चलाना पड़ता था। बात यहीं तक ही सीमित नहीं थीं। चूल्हा जले या बुझे..खाना समय पर बनाकर तैयार करना भी जरूरी होता था, क्योंकि स्कूल तो अनुशासन से चलता है। क्लास लगने से लेकर नाश्ते और भोजन का समय भी निर्धारित है। ऐसे में कामता बाई भूल कर भी इधर से उधर नहीं कर सकती थीं, क्योंकि उन्हें तो समय पर खाना बनाना और परोसना भी जरूरी था। ऐसे में किचन में लकड़ी के धुँए से आँखों को जलाते हुए कामता बाई अक्सर खाना बनाती आ रही थीं। उन्हें यह काम मुसीबत भरा तो लगता था, लेकिन उनकी यह मजबूरी भी थी कि ऐसी ही परिस्थितियों में अपना काम करें। यह कहानी सिर्फ रसोइए कामता बाई की ही नहीं थीं बल्कि जिले के सभी स्कूल,आंगनबाड़ी केंद्रों और आश्रमों में खाना पकाने वाले रसोइयों का दु:ख-दर्द भी था, जो कि अब बीते दिनों की बात हो गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा जिले के सभी आंगनबाड़ी, आश्रमों, छात्रावासों और प्राइमरी तथा मिडिल स्कूलों में नाश्ता, भोजन पकाने के लिए चूल्हें में लकड़ी की जगह गैस सिलेंडर की व्यवस्था की गई है। अब गैस से नाश्ता और भोजन पकाए जाने से रसोइयों को लकड़ी का इंतजाम करने, धुँए को सहते हुए आँसू बहाने और आँख जलाने से छुटकारा मिल गई है।

जिले में संचालित सभी प्राथमिक शाला,माध्यमिक शाला,आंगनबाड़ी केंद्र और आश्रम-छात्रावास में बीते माह से गैस सिलेंडर के माध्यम से भोजन पकाने की प्रक्रिया जारी है। जिले में कुल 2598 आंगनबाड़ी केंद्र है,जिसमें 2095 केंद्रों में जलाऊ लकड़ी से चूल्हें जलाकर खाना पकाया जाता था। इसी तरह 189 आश्रम-छात्रावासों और 2030 विद्यालयों में भी गैस की व्यवस्था नहीं थी। यहाँ लड़की जलाकर चूल्हे से खाना बनता था। इस दौरान भोजन पकाने वाली रसोइयों को किचन में धुँए से बहुत परेशानी उठानी पड़ती थी। कई बार जलाऊ लकड़ी उपलब्ध नहीं होने या बारिश के दिनों में लकड़ी गीली होने की वजह से भी खाना समय पर नहीं बन पाता था।

लकड़ी भीगी होने से ठीक से जलती भी नहीं थी और किचन का कमरा धुँए से भर जाता था। इससे रसोईये सहित आंगनबाड़ी के बच्चों,स्कूली विद्यार्थियों के सेहत पर भी विपरीत असर पड़ता था। मुख्यमंत्री के दिशा निर्देशन में कलेक्टर ने इस समस्या को दूर करने की दिशा में बड़ा फैसला लेते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों, प्राइमरी, मिडिल स्कूलों और आश्रम-छात्रावासों में गैस सिलेंडर कनेक्शन देने की पहल की। उन्होंने नए कनेक्शन और इसके रिफलिंग के लिए डीएमएफ से राशि स्वीकृत की। परिणाम स्वरूप अब भोजन पकाने के लिए जलाऊ लड़की के स्थान पर गैस का इस्तेमाल किया जाने लगा है। इस व्यवस्था से जहाँ लकड़ी की जरूरत नहीं होगी वहीं ईंधन के रूप में गैस का इस्तेमाल होने से धुँए से भी राहत मिलेगी। पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के सीमावर्ती ग्राम पतुरियाडाँड़ आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के लिए भोजन पकाने वाली कार्यकर्ता और सहायिका रामबाई, रूप कुंवर ने बताया कि लड़की से चूल्हा जलाने में परेशानी तो है। समय पर बच्चों को भोजन के लिए पहले से ही चूल्हा जलाना जरूरी है। इस बीच धुँए से अलग तकलीफ है। अब गैस से भोजन पकाने में सभी को राहत मिलेगी। जब भोजन पकाना होगा, बस गैस ऑन करना होगा और बर्तन भी काले नहीं होंगे,भोजन भी जल्दी पकेगा। ग्राम मोरगा के जुनापारा आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्ता ऊषा जायसवाल ने बताया कि उनके केंद्र में 30 बच्चे हैं। आंगनबाड़ी में गैस मिलने खाना पकाना बहुत आसान हो गया है। यहाँ प्राथमिक शाला में भोजन पकाने वाली संतोषी स्व सहायता समूह की महिलाओं ने बताया कि नाश्ता, भोजन के लिए लकड़ी का इंतजाम करना आसान नहीं है। बहुत कोशिश के बाद लकड़ी जलती है और बीच-बीच में बुझ जाती है,जिससे कमरे में धुँए भर जाते हैं। आसपास बच्चे भी रहते हैं, उन्हें भी बहुत परेशानी उठानी पड़ती है। अब गैस से भोजन पकाने से इन समस्याओं से राहत मिलेगी। पाली विकासखंड के ग्राम निरधी बेलपारा में संचालित प्राथमिक शाला में जागृति स्व सहायता समूह की राजकुमारी कश्यप ने बताया कि लकड़ी से चूल्हा जलाना जद्दोजहद से कम नहीं है। गैस की व्यवस्था होने से अब बस समय पर सब्जी साफ करना,काटना पड़ता है। गैस से खाना झटपट बन जाता है। कमरे में धुँए भी नहीं भरते और आँख से आँसू भी नहीं बहता।

महतारी वंदन योजना की राशि के बाद संतोषी को जरूरत के समय किसी से पैसे मांगने की नहीं पड़ती जरूरत

महतारी वंदन योजना की राशि से हो जाते हैं जरूरी काम

कोरबा। विकासखण्ड पाली अंतर्गत ग्राम भण्डारखोल की संतोषी बाई को कुछ माह पहले तक अपनी छोटी-छोटी जरूरतों की पूर्ति के लिए कुछ लोगों से पैसे मांगने की आवश्यकता पड़ती थी। कई बार कुछ रूपए के लिए उन्हें लंबा इंतजार भी करना पड़ता था। अब जबकि महतारी वंदन योजना से हर महीने खाते में 01 हजार रूपए समय पर मिल जाते हैं तो संतोषी बाई को किसी के आगे रूपए के लिए हाथ फैलाने जैसी नौबत नहीं आती है। अपने घर के सामने धान को अलग करने में व्यस्त ग्राम भंडार खोल की संतोषी बाई ने बताया कि उम्र के साथ ही उन्हें कुछ भी काम करने में परेशानी है वह किसी तरह छोटे-मोटे घरेलू काम कर लेती है। उन्होंने बताया कि विगत माह महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि का आहरण किया है। इस राशि का उपयोग घर की आवश्यकताओं की पूर्ति में किया है।

उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लागू किए जाने के बाद हम जैसी वृद्ध महिलाओं के लिए यह वरदान साबित हो रही है। हर महीने खाते में 01 हजार की राशि प्राप्त हो जाती है, इससे छोटी-मोटी जरूरतें हम पूरी कर लेते हैं। उन्होंने महतारी वंदन योजना लागू किए जाने से ग्रामीण क्षेत्र की गरीब और जरूरतमंद महिलाओं को बहुत लाभ पहुंचने की बात कही और इस योजना के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय सरकार के प्रति आभार भी प्रकट किया।

सुविधाएं बढ़ाने की मांग को लेकर रेल संघर्ष समिति का प्रतिनिधि मंडल मिला जीएम से

नई ट्रेनों के लिए करना होगा इंतजार, बिलासपुर में समाप्त हो रही गाड़ी का कोरबा तक होगा विस्तार

कोरबा। रेल सुविधाएं बढ़ाने के साथ ही बंद ट्रेनों को शुरू करने की मांग को लेकर रेल संघर्ष समिति का प्रतिनिधि मंडल सोमवार को एसईसीआर की जीएम नीनु इटियेरा को सात सूत्रीय मांगों को ज्ञापन सौंपा है। उल्लेखनीय है कि 29 मई 2024 को जीएम का पदभार संभालने वाली इटियेरा 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हो जाएंगी। ऐसे में रेल संघर्ष समिति ने मांग पत्र के माध्यम से उनसे आग्रह किया है कि सेवानिवृत्त होने से पहले कोरबा के लोगों के रेल सुविधा के रूप में कोई न कोई उपहार देकर जाएं। प्रतिनिधि मंडल से चर्चा के दौरान उन्होंने किसी भी नई ट्रेन को चलाने की बात पर एग्जामिन करने की बात कहते हुए टाल गईं। उन्होंने पिटलाइन की मांग पर सवाल किया कि पिटलाइन क्यों चाहिए। इस पर उन्हें बताया गया कि जब किसी लंबी दूरी की बात होती है या ट्रेनों के विस्तार की तब तब पिटलाइन को पूर्ण नहीं बताया जाता है। ऐसे में पिटलाइन बनने के बाद भी उसकी उपयोगिता शुरू नहीं होना समझ से परे है। इस पर उन्होंने विचार करने की बात कही।

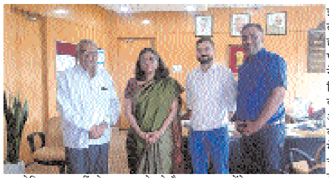

रेल संघर्ष समिति के प्रतिनिधि मंडल में संयोजक रामकिशन अग्रवाल, तुषार अग्रवाल, अंकित सावलानी शामिल थे। अग्रवाल ने बताया कि उनकी एक मांग को पूरा करने के लिए जीएम ने सहमति जाहिर की है। सवाल यह है कि उनका कार्यकाल अब कुछ ही दिनों का रह गया है। उनके द्वारा बिलासपुर तक चलने वाली छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस को कोरबा तक विस्तार करने की बात कही गई। इस अवधि में अगर यह मांग पूरी होती है तो जिले के यात्रियों के लिए बड़ी उपलब्ध होगी। उम्मीद है कि जीएम अपनी बातों पर खरा उतरने का प्रयास करेंगी। अग्रवाल ने बताया कि सात सूत्रीय मांगों में पिटलाइन का उपयोग शुरू करने, रायपुर व बिलासपुर से 11 व 9 घंटे तक कोरबा आने कोई भी ट्रेन सुविधा नहीं है इसबीच कोई ट्रेन चलाने, गेवरारोड-रायपुर-गेवरारोड के बीच 2 अगस्त 2023 से रद्द चल रही मेमू को शुरू किया जाए, डीआरएम की समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णय को अमल में लाने, बिलासपुर-भोपाल पैसेंजर को शिवनाथ रैक के स्थान पर दोपहर 2.50 बजे कोरबा तक चलाने, तिरुपति एक्सप्रेस जो 22 घंटे तक कोरबा में खड़ी रहती है उसे कोरबा तक विस्तार करने, इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस को कोरबा तक चलाकर कटनी रूट की गाड़ियों का कनेक्शन देने व नई ट्रेन के रूप में बिकानेर-कोरबा खाटू श्यामजी एक्सप्रेस व दुर्ग-कोरबा के बीच दोपहर में ट्रेन चलाने की मांग शामिल है।

श्री रामलला के दर्शन पा कर अभिभूत हैं राठौर दंपत्ति

कोरबा । कोरबा से लेकर काशी विश्वनाथ और अयोध्या धाम तक जगह-जगह पर हमारा तिलक लगा कर फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। प्रदेश के मुखिया श्री विष्णुदेव साय के द्वारा राज्य में संचालित श्रीराम दर्शन योजना के तहत श्री राम जी के दर्शन के लिए नि:शुल्क यात्रा के दौरान ट्रेन में चाय,पानी,बिस्किट ,नाश्ता और भोजन की पहली बार इतनी सुव्यवस्थित और समुचित व्यवस्था की गई। सुविधा जनक माहौल में श्री रामलला के दर्शन पा कर हम दोनों अभिभूत हैं। यह कहना है राजेंद्र प्रसाद नगर कोरबा के निवासी राठौर दंपत्ति श्री जयनारायण सिंह एवं श्रीमती आशा राठौर का। उन्होंने बताया कि जब से अयोध्या में श्रीराम मंदिर बनकर तैयार हुआ था तभी से हम दोनों भगवान श्री राम के दर्शन को लालायित थे। एक दिन सियान सदन क्लब के सदस्य ने उन्हें बताया कि शासन द्वारा संचालित श्रीराम दर्शन योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों को नि:शुल्क ट्रेन यात्रा से श्री रामलला के दर्शन कराए जा रहे हैं। यह सुनकर राठौर दंपत्ति के चेहरे खुशी से चहक उठे। उन्होंने श्री रामलला के दर्शन के लिए साकेत भवन नगर निगम में आवेदन जमा किया। कुछ ही दिनों में श्री रामलला के दर्शन के लिए कलेक्ट्रेट कार्यालय में राठौर दंपत्ति के नाम की लाटरी निकल गई जिससे उनकी खुशी दोगुनी हो गयी। राठौर दंपत्ति ने बताया कि अगस्त माह में उन्हें श्री रामलला के दर्शन करने का शुभ अवसर मिला था। यात्रा के दौरान ट्रेन में इच्छानुसार गर्म नाश्ता,चाय,बिस्किट,भोजन, पानी के साथ ही फल भी दिए जा रहे थे। कोरबा से बिलासपुर तक आने जाने के लिए बस की सुविधा थी। इसके साथ ही काशी और अयोध्या में मंदिर तक जाने ओर आने के लिए बस और ई -रिक्शा की व्यवस्था की गई थी। बारिश से बचाव के लिए सभी यात्रियों को छाता,टोपी ,रामनामी अंगोछा उपहार में दिया गया,जो आज भी हमने सुखद यात्रा के स्मृति चिन्ह की तरह सहेजकर रखा है। यात्रा के दौरान पूरे समय हमारा ख्याल रखने के लिए एक कर्मचारी भी जिला प्रशासन ने नियुक्त किया था। यात्रियों के स्वास्थ परीक्षण, एवं उपचार हेतु कुशल चिकित्सक और उनकी सहयोगी टीम हमेशा तैनात थी।

यात्रा में घर जैसी सुविधा सम्पन्न उपलब्ध थी जिससे बहुत आनंद आया। उन्होंने बताया कि हम स्वयं के खर्चे पर भी इतनी सुविधाएं शायद ही जुटा पाते।यह वरिष्ठ नागरिकों के लिए भगवान श्री राम के दर्शन हेतु बहुत अच्छी योजना है। इस योजना के लिए प्रदेश के मुखिया का हार्दिक धन्यवाद। इस योजना को आगे भी चलाएं जिससे वंचित वरिष्ठ नागरिकों को श्री रामलला के दर्शन का पुण्य लाभ मिल सके।

राष्ट्रीय फिन्स तैराकी स्पर्धा में भव्या त्रिवेदी ने जीता स्वर्ण पदक

कोरबा । कोरबा अंचल में संचालित एक निजी विद्यालय ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल में कक्षा 11वीं की छात्रा भव्या त्रिवेदी ने राष्ट्रीय फिन्स तैराकी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता है। यह प्रतियोगिता हैदराबाद में आयोजित की गई थी। जिसमें देशभर के प्रतिभागियों ने भाग लिया था। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल की छात्रा भव्या त्रिवेदी छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक जीतने में सफल रही है।

तिहारो बाई की पूरी होगी आस, जल्द ही पूरा होगा पक्का आवास

पीएम आवास में नाम आने के बाद शुरू हुआ निर्माण

कोरबा । बेवा तिहारो बाई को लगता था कि वह कभी पक्का आवास नहीं बनवा पायेगी। उन्हें कच्चे मकान में ही जिंदगी गुजारनी होगी। पक्के आवास का सपना देखती आई तिहारो बाई का सपना उस समय हकीकत के रूप में बदलने लगा जब उनका भी नाम पीएम आवास हितग्राहियों की सूची में आया। सूची में नाम आने के बाद तिहारो बाई ने संपर्क किया और अपने संबंध में सभी प्रकार की जानकारी अधिकारियों को दी। आवश्यक दस्तावेज जमा करने के पश्चात आखिरकार तिहारो बाई के खाते में पहली किश्त आई। अब पहली किश्त की राशि के साथ निहारो बाई ने खुशी-खुशी अपने सपनो के मकान का नीव का निर्माण शुरू कर दिया है। पाली ब्लॉक के ग्रामपंचायत अलगीडाँड़ के नेवारियापारा में रहने वाली बेवा तिहारो बाई ने बताया कि पक्के मकान का सपना किसे नहीं रहता। पति के जीवित रहते भी यह सपना था। लेकिन यह पूरा नहीं हो पाया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हम जैसी गरीब महिलाओं को पक्का मकान देने की पहल की है, निश्चित ही इससे हमारा सपना हकीकत में बदल जायेगा। उन्होंने बताया कि वह अपने नाती के साथ रहती है। पक्का मकान बनने के बाद उन्हें अपनी झोपड़ी में परेशानी नहीं सहनी पड़ेगी। उन्होंने बताया कि बारिश के बाद उनका कच्चा मकान कई जगह क्षतिग्रस्त होने लगा है। इसकी मरम्मत कर वह इसमे रह रही है। आने वाले दिनों में आवास का काम पूरा होने के बाद वह बेफिक्र होकर पक्के पीएम आवास में रहेगी। गौरतलब है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सरकार बनते ही 18 लाख पीएम आवास के निर्माण के लिए निर्णय लिया और हितग्राहियों के खाते में राशि जारी कर पारदर्शिता के साथ आवास निर्माण समय पर करने के निर्देश दिए हैं।

अच्छी फसल और अच्छा कीमत पाकर खुश है तीनो भाई

पिछले साल बकाया बोनस मिलने के बाद बढ़ा उत्साह

कोरबा । किसान फूल सिंह,रामायण सिंह और श्याम सिंह तीनो भाई है। इन्होंने विगत वर्ष भी अपने 4.80 एकड़ खेत में धान का फसल लिया था। पिछले साल लगभग 80 क्विंटल धान बेचने के बाद जो राशि मिली उससे अपने घर के अधूरे निर्माण को पूरा कराया। इस साल भी बारिश की मेहरबानी से फसल ठीक ठाक होने की बात कहते हुए इन्होंने बताया कि बहुत ही खुशी की बात है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार धान का सर्वाधिक मूल्य दे रही है। पिछले साल धान का बकाया बोनस भी मिला था और अंतर राशि भी खाते में आई थी।

धान उपार्जन केंद्र पौलमी में अपना धान बेचने आए तीनो भाई फूलसिंह, रामायण सिंह और श्याम सिंह ने बताया कि धान खरीदी केंद्रों में किसानों के लिए इतनी अच्छी व्यवस्था है कि हमे कोई परेशानी नहीं हो रही है। टोकन कटाने के बाद हम लोग अपना धान लेकर आए। यहां पर्याप्त व्यवस्था है। बैठने के लिये कुर्सी की व्यवस्था की गई है और पीने का पानी का इंतजाम है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री साय किसानों की भावनाओं को समझते हैं, इसलिये उन्होंने किसानों के हित में फैसला लेते हुए धान को प्रति क्विंटल 3100 रूपये के दर पर खरीद रहे हैं। वहीं 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी भी कर रहे हैं। फूलसिंह ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री सम्मान निधि का लाभ भी मिलता है। अभी वे 50 क्विंटल धान बेचने आये हैं। पिछले वर्ष 80 क्विंटल धान बेचे थे। इस वर्ष धान बेचने के बाद प्राप्त राशि में से खाद-बीज के लिये जो कर्ज लिया गया था उसे चुकायेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि गत वर्ष धान बेचने के पश्चात अंतर राशि खाते में आ गई थी। इस राशि का उपयोग घर के जरूरी खर्चों के लिये किया गया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा किसानों के हित में किये जा रहे कार्यों से किसानों की आर्थिक स्थिति पहले से काफी सुदृढ़ हुई है।

भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की प्रांतीय पदाधिकारी पहुंचीं अंचल में

कोरबा । अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की प्रांतीय पदाधिकारियों का भ्रमण कोरबा में हुआ। इसमें प्रांतीय अध्यक्ष अरुणा अग्रवाल के नेतृत्व टीम आई थी। इस दौरान कोरबा अंचल प्रमुख बालको से मंजू अग्रवाल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सरोज सुनालिया, पूर्व प्रदेश सचिव प्रेमा अग्रवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष शशि अग्रवाल उपस्थित रहीं। पदाधिकारियों ने नवजात शिशु पालन केंद्र सेवा सदन आश्रम का भी भ्रमण किया। सेवा सदन के कार्यों और जरूरतों का जायजा लिया। इस दौरान ठंड में जरूरत के अनुसार 35 बच्चों को गर्म जैकेट और स्वेटर बाट गए। आश्रम से जुड़े कर्मचारियों के सेवाभाव को देख सभी का मन प्रसन्न हुआ। संस्था को महिला सम्मेलन ने स्थाई रूप से सहयोग देने का निर्णय लिया। पदाधिकारियों के साथ बैठक और मंचीय कार्यक्रम अग्रसेन भवन कोरबा में किया गया। शाखा अध्यक्ष अनिता छापरिया ने शाखा के आगामी कार्यों का ब्यौरा दिया। सचिव विनीता सिंघानिया ने पिछले 8 महीनों में किए गए कार्यों की जानकारी विस्तार से दी। अरुणा ने कोरबा शाखा के अब तक के कार्यों की सराहना की और राष्ट्रीय स्तर से आए हुए प्रोजेक्ट के बारे में भी शाखा सदस्यों को समझाया।

सीबीएसई राष्ट्रीय सम्मेलन में अपने विचार रखे प्राचार्य गुप्ता ने

कोरबा। सीबीएसई का उद्देश्य छात्रों की शारीरिक, भावनात्मक, सामाजिक और बौद्धिक भलाई के लिए अधिगम को सुगम करना है।सीबीएसई एक मजबूत, जीवंत और समग्र स्कूली शिक्षा को बढ़ावा देता है जो मानव प्रयास के हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्रदान करेगा। बोर्ड अपने शिक्षार्थियों के बीच बौद्धिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवंतता को बढ़ावा देने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कोलकाता में 30वें सीबीएसई राष्ट्रीय सम्मेलन में आगामी शैक्षणिक वर्षों के लिए कई महत्वपूर्ण अपडेट और पहलों पर प्रकाश डाला गया। डॉक्टर संजय गुप्ता ने बताया कि इस सम्मेलन में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों दोनों को ही डायन में रखते हुए कई विशेष निर्णय लिए गए।डॉक्टर संजय गुप्ता ने बताया कि सीबीएसई समय समय पर कई विशेष निर्णय विद्यार्थियों के हित में लेती है जिससे हम सभी को अपडेट रहना अति आवश्यक है।ऐसे ही कुछ विशेष एवं आवश्यक निर्णय विगत 30 नवंबर 2024 को आयोजित एक सम्मेलन में लिया गया जो निश्चित तौर पर विद्यार्थियों एवं अभिभावकों तथा विद्यालयों के साथ एक बेहतर सामंजस्य स्थापित करने में मददगार होगा।इस सम्मेलन में कई नए व अति महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए,जिनमें से कुछ बिंदु इस प्रकार हैं, सफल (स्कूल असेसमेंट फॉर एडवांसिंग लर्निंग) यह मूल्यांकन ढांचा सभी सीबीएसई-संबद्ध स्कूलों के लिए शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से अनिवार्य होगा ताकि छात्रों के सीखने के परिणामों को बढ़ाया जा सके।

एसक्यूएएएफ (स्कूल गुणवत्ता मूल्यांकन और मान्यता ढांचा)यह ढांचा सीबीएसई स्कूलों में उच्च गुणवत्ता वाली प्रथाओं के सत्यापन और कार्यान्वयन को सुनिश्चित करेगा। विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के दो स्तरसीबीएसई ने कक्षा ड्ढ्ड्ड और ड्ड में विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के लिए प्रश्नपत्रों के दो स्तरों को पेश करने की योजना बनाई है, जो गणित में मौजूदा दो स्तरों के समान हैं, जो विभिन्न छात्र दक्षताओं को पूरा करते हैं।

अनिवार्य एचपीई (स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा) स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा सभी कक्षाओं के पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बन जाएगी। शिक्षक मूल्यांकन और स्व-मूल्यांकन पेशेवर विकास और जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए शिक्षक मूल्यांकन और स्व-मूल्यांकन के लिए एक विशेष प्रक्रिया शुरू की जाएगी।एनसीएफ एफएस एंड एसई का कार्यान्वयन सीबीएसई स्कूलों में फाउंडेशन स्टेज और माध्यमिक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा का 100त्न रोलआउट होगा। मानसिक स्वास्थ्य और साइबर सुरक्षा पर ध्यान छात्रों की भलाई और सुरक्षा को संबोधित करने के लिए स्कूल मानसिक स्वास्थ्य और साइबर सुरक्षा शिक्षा को प्राथमिकता दिया जाएगा।पर्यावरण जागरूकता छात्रों के बीच पर्यावरण चेतना को बढ़ावा देने के लिए पाठ्यक्रम में व्यावहारिक अनुभव और गतिविधियाँ शामिल की जाएंगी।

स्कूलों का मुख्य उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है,इसी उद्देश्य को लेकर बच्चो को पर्यावरण के बारे मे जागरुक कर पेड़ों के महत्व को बताया गया साथ ही बच्चों की वृक्षारोपण मे सहभागिता रखी,बच्चे ही देश के भविष्य हे इन्हे पर्यावरण के प्रति जागरुक करना आवश्यक है।

डॉक्टर संजय गुप्ता ने कहा किइन उपायों का उद्देश्य शिक्षा की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाना, समकालीन चुनौतियों के साथ तालमेल बिठाना और छात्रों और शिक्षकों के लिए समग्र विकास सुनिश्चित करना है। कुल।मिलाकर यदि इस सम्मेलन के सारांश की बात करें तो अब शिक्षा का एक मात्रा उद्देश्य विद्यार्थियों की सम्पूर्ण समझ विकसित करना तथा भावी चुनौतियों एवं नवीन कौशलों के लिए तैयार करना होगा। सीबी एसई बोर्ड को कई प्रतियोगी परीक्षाओं से पहले सीखने का अतिरिक्त लाभ प्रदान करने के लिए जाना जाता है। प्रत्येक पाठ्यक्रम बहुत महत्वाकांक्षी छात्रों को तैयार करने के लिए बनाया और डिज़ाइन किया गया है, इससे उन्हें आईआईटी-जेईई, एआईईई और एम्स जैसी प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी में मदद मिलती है।प्रत्येक स्कूल का सबसे महत्वपूर्ण कार्य बालकों का नैतिक तथा चारित्रिक विकास करना है।

शिक्षा का उद्देश्य मात्र शिक्षित होना नहीं होता, बल्कि शिक्षा के कई अन्य मकसद होते हैं, जिसे कई शिक्षा के विद्वानों ने अलग-अलग तरीके से परिभाषित किया है। चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व का विकास, नागरिक और सामाजिक कर्तव्यों का पालन, सामाजिक सुख और कौशल की उन्नति, राष्ट्रीय संस्कृति का संरक्षण और प्रसार शामिल है। सीबीएसई द्वारा इन सभी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा कर एक व्यापक रूपरेखा बनाने पर जोर दिया गया।

किसान विरोधी नीति के विरोध में कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

जांजगीर-चांपा। किसानों को धान बेचने में हो रही परेशानी तथा भाजपा सरकार के किसान विरोधी नीति के विरोध में कांग्रेसियों द्वारा जिला मुख्यालय में मंगलवार 10 दिसंबर को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। भाजपा सरकार द्वारा किसानों के प्रति किए जा रहे वादा खिलाफी, धान खरीदी केंद्रों मैं व्याप्त अव्यवस्था व किसानो को हो रही परेशानी से मुक्ति दिलाने राज्यपाल के नाम पर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया।

धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए विधायक ब्यास कश्यप ने कहा कि विधानसभा चुनाव के पूर्व भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रदेश के भोले भाले किसानों को

झूठा वादा करके प्रदेश में सरकार तो बना लिए उसके बाद भाजपा सरकार जनता एवं किसानों के साथ छलावा कर रहा है, इसलिए अब किसानों को पूर्ववर्ती कांग्रेस के भूपेश बघेल सरक्रार याद आ रहा है। जिला कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक रमेश पैगवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाजपा द्वारा अपने संकल्प पत्र में लिए गए संकल्प धान का मूल्य प्रति क्विंटल 3100 रुपए एक मुस्त दिए जाने के साथ ही केंद्र सरकार द्वारा धान के समर्थन मूल्य में की गई वृद्धि 117 रुपए प्रति क्विंटल को मिलाकर 3217 रुपए की मांग को पूरा करें और किसानों के प्रति हो रहे अन्याय अत्याचार बंद करें।

जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष दिनेश शर्मा ने कहा कि धान खरीदी केंद्र में वरदाना की कमी, टोकन की व्यवस्था अव्यवहारिक है एवं टोकन काटने की तारीख से 7 से 10 दिन बाद धान बेचने के लिए किसानों को बुलाया जा रहा है इस प्रकार भाजपा सरकार द्वारा किसानों को परेशान करने का काम कर रही है। धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष भगवानदास गढ़वाल, प्रदेश कांग्रेस सचिव हर प्रसाद साहू, वरिष्ठ कांग्रेसी देवेश सिंह, जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष प्रिंस शर्मा, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सीमा शर्मा, किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष कमल साव, जिला कांग्रेस पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष लोकेश राठौर, जिला कांग्रेस महामंत्री शिशिर द्विवेदी, ऋषिकेश उपाध्याय, नगर कांग्रेस कमेटी चांपा के अध्यक्ष सुनील साधवानी, नागेंद्र गुप्ता, प्रमोद पांडे, अनिल राठौर ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष विवेक सिसोदिया ने एवं आभार प्रदर्शन रफीक सिद्धकी ने किया।

जेजेसी ब्वॉय टेनिस बॉल क्रिकेट स्पर्धा में पेंड्री की टीम ने तेंदूभांठा को हराया

जांजगीर चांपा। ग्राम पाली, सिवनी में जेजेसी ब्वाय के द्वारा ग्रीन पार्क स्टेडियम में टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता रखा गया था। जिसमे प्रथम पुरस्कार 12001 व कप सरपंच बसंत पटेल के द्वारा। द्वितीय पुरस्कार 6001 व कप जनपद सदस्य पूर्णिमा सुनील भवानी के द्वारा, मेन ऑफद सिरीज 1001 व बेट श्रावण कुमार सूरज के द्वारा रखा गया था। जिसमे आस-पास के टीमों व खिलाड़ी द्वारा अनेक रोमंचक मैच खेले गए।

तकरीबन सप्ताह भर चली आ रहे मैच प्रतियोगिता का समापन हो गया। जिसमें मुख्य अतिथि बसंत पटेल सरपंच पाली, पूर्णिमां सुनील भवानी जनपद सदस्य, योगेश कुमार पटेल उपसरपंच पाली, शांति लाल पटेल पूर्व उपसरपंच, रामेश्वर पटेल, छतराम कश्यप आयोजक जमील खान, गौरी शंकर, विक्की, देबू, कृष्ण यादव, प्रेम बरेठ एवं समस्त ग्रमीण उपस्थित रहे। परिणाम स्वरूप पेंड्री की टीम विजेता रही व उपविजेता तेंदूभाठा टीम रही।

प्लेसमेंट के बाद अब रेगुलर कर्मचारी भी आज से गए हड़ताल पर

जांजगीर-चांपा। नपा के प्लेसमेंट कर्मचारी के बाद अब रेगुलर कर्मचारियों ने भी मोर्चा खोल दिया है। 6 सूत्रीय मांगों को लेकर आज से अनिश्चितकालीन हड़ताल में चले गए। ऐसे में नगरीय निकायों में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाएगी। साथ ही किसी प्रकार का काम नहीं होगा। पहले से ही सफाई व्यवस्था जिले के सभी नगरीय निकायों में काम करने वाले प्लेसमेंट कर्मचारी 4 सूत्रीय मांगों को लेकर 3 से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। चार सूत्रीय प्रमुख मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी है। 40 प्लेसमेंट कर्मचारियों के हड़ताल में जाने से पहले से जिला मुख्यालय में सफाई व्यवस्था पूरी चरमरा गई है। कहीं भी तरह से कचरा उठा रहा है न ही सफाई हो रही है। इससे जगह-जगह गंदगी का आलम है। साथ ही जगह-जगह कचरा डंप किया जा रहा है। वैकल्पिक व्यवस्या के तहत रेगुलर कर्मचारियों से कही कहीं सफाई कराई जा रही थी। लेकिन नगरीय निकाय के रेगुलर कर्मचारियों ने भी मोर्चा खोल दिया है। अब 11 दिसंबर से 6 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल में जा रहे हैं। इससे पूरी तरह से सफाई सहित अन्य मूलभूत सुविधा पर ग्रहण लग जाएगा। शहर में किसी प्रकार का कोई काम नहीं हो पाएगा। नपा में सीएमओ के अलावा सभी कर्मचारी हड़ताल में चले जाएंगे। ना लगने की स्थिति उत्पन्न ऐसे में ताला लगने हो सकती है। कर्मचारियों का कहना है कि उनके हितों की रक्षा की जानी चाहिए। धरने पर बैठे कर्मचारियों का कहना है कि उनसे बातचीत के लिए अभी तक कोई भी कदम विभाग की ओर से नहीं उठाया गया है।

शहर में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का काम करने वाली महिला कर्मचारी भी अनिश्चितकालिन हड़ताल में चली गई है। उनके हड़ताल में जाने से शहर सहित जिले के सभी नगर पंचायत में सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन भी ठप हो गया है। महिलाएं अपने तीन सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं और राजधानी में प्रदर्शन कर रही हैं। मांग में कलेक्टर दर में वेतन, पीएफ राशि काटी जाए व सप्ताह में एक दिन की छुट्टी की मांग शामिल है। इसलिए घर से कचरा नहीं उठ पा रहा है। साथ ही मोहल्लेवासी अपने-अपने मोहले में ही कचरा को डंप कर रहे हैं। साथ ही नहर के आसपास के लोग यहां डाल रहे हैं। इसलिए जगह-जगह गंदगी का आलम है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों को कोई मतलब नहीं है। हड़ताल में चले जाने से शहर के अधिकांश स्ट्रीट लाइटें जल रही है। बाद काटने वाला कोई नहीं है. सुधा भी लाइटें जलती है अधिकांश प्लेसमेंट कर्मचारी 86 कर्मचारी हड़ताल में है। इसलिए पालिका ही इधर बिल में बढ़ोतरी हो रही है। इससे पालिका के अधिकारियो कोई मलतब नहीं है।

महाकुंभ के लिए छत्तीसगढ़ से चलेगी 3 स्पेशल ट्रेन

बिलासपुर। महाकुंभ के दौरान संगम में स्नान करने जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने देशभर में 3000 स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। छत्तीसगढ़ से सिर्फ तीन स्पेशल ट्रेनें ही दी गई हैं। जिसमें बिलासपुर, रायगढ़ और दुर्ग से एक-एक फेरे के लिए 3 कुंभ स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। ट्रेनों के रूट के साथ टाइमिंग भी जारी कर दी गई है। पहली ट्रेन रायगढ़ से वाराणसी के लिए 25 जनवरी को छूटेगी। दूसरी दुर्ग से वाराणसी के लिए 8 फरवरी और तीसरी स्पेशल ट्रेन बिलासपुर से वाराणसी के बीच 22 फरवरी को रवाना होगी। बिलासपुर, कटनी, प्रयागराज के मार्ग से होकर चलनी वाली इन ट्रेनों की सुविधा गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़, बालाघाट, नैनपुर, अनूनपुर, शहडोल और उमरिया समेत कई शहरों के यात्रियों को मिलेगी।

रुपए दुगुना करने का झांसा देने के आरोपी को 7 साल की सजा

जांजगीर। रुपए दोगुना का झांसा देकर लोगों से करीब ढाई करोड़ रुपए ठगी करने वाला आरोपी को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सर्व विजय अग्रवाल ने 7 साल कठिन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही अर्थदंड से भी दंडित किया गया। अभियोजन के अनुसार गरिमा रियल एस्टेट एंड एलाईड लिमिटेड कंपनी लायंस चौक चांपा कार्यालय से कंपनी के डायरेक्टर आरोपी बनवारी लाल व अन्य आरोपियों द्वारा रकम दोगुना करने का झांसा दिया जाता था।

प्रलोभन देकर प्रार्थी दिलचंद देवांगन को 5 हजार रुपए 7 जुलाई 2010 को जमा कराया था। आरोपी ब्रांच मैनेजर बनवारी लाल व अन्य आरोपियों द्वारा प्रार्थी व क्षेत्र के कई निवेशकों से एजेंटों के सहयोग से करीब 2 करोड़ 67 लाख रुपए 48 हजार रुपए जमा कराई गई थी। इस पॉलिसी का बांड पेपर दिया गया था। आरोपी षडयंत्रपूर्णक मैच्यूरिटी अवधि पूर्ण होने के पहले जिन निवेशकों का मैच्यूरिटी अवधि पूर्ण

हो रहा था। उनका बांड पेपर जमा कराकर चांपा स्थित क्षेत्रीय कार्यालय को बंद कर भाग गया। काफी प्रयास करने के बाद भी प्रार्थी व अन्य निवेशकों को जमा की गई राशि वापस प्राप्त नहीं हुआ। इस संबंध में प्रार्थी दिलचंद देवांगन की रिपोर्ट थाना जांजगीर में धारा 409, 420, 34 व चिटफंड एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध करते हुए प्रकरण विवेचना में लिया गया। संपूर्ण विवेचना के बाद अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। जिसमें विचार किया गया कि आरोपी के खिलाफ कोई पूर्व अपराध प्रमाणित नहीं है। उसका प्रथम अपराध है। आरोपी के द्वारा योजना बद्ध तरीके से क्षेत्र के भोले- भाले लोगों को पांच साल में रकम दोगुना करने का झांसा देकर कंपनी में रकम जमा कराकर कंपनी कार्यालय बंद कर भाग गया था। इससे प्रमाणित होता है कि यह गंभीर अपराध है। इसलिए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सर्व विजय अग्रवाल ने राजस्थान के धौलपुर जिला के कोलाटी थाना के गांव जमालपुर निवासी बनवारी लाल कुशवाहा पिता माधो सिंह (38) को धारा 420 के तहत अपराध में 7 साल कठिन कारावास की सजा सुनाई गई नाथ ही 30 हजार रुपए के अर्थदड से दंडित किया गया। अर्थदंड की राशि नहीं पटाने पर 1 वर्ष अतिरिक्त कारावास भुगतने का आदेश दिया गया। अभियोजन की ओर से लोक अभियोजक अधिकारी नंद कुमार पटेल ने पैरवी की।

अतिक्रमणकरियों के कारण कुटरा के स्कूल में नहीं बन पा रहा अहाता

जांजगीर-चांपा। सरकारी स्कूल कुटरा में लंबे समय से अहाता नहीं बन पा रहा है। इसका एकमात्र कारण अतिक्रमणकारियों का दबंगई है। बेजाकब्जा कर मकान बना दिया गया है। इससे पैसा वापस लौट जा रहा है। सरपंच सहित शिक्षकों ने बेजाकब्जा पर कार्रवाई की मांग तहसीलदार से की है।

तहसीलदार को सौपे ज्ञापन में बताया कि शासकीय प्राथमिक शाला भाठापारा कुटरा स्कूल के शासकीय भूमि पर मोहन लाल सूर्यवंशी व शत्रुहन सूर्यवंशी द्वारा बेजाकब्जा किया जा रहा है। जिसकी शिकायत पूर्व में कलेक्टर से की गई थी। जिस पर तत्कालीन तहसीलदार द्वारा बोजब्जा तोड़ने की कार्रवाई की गई -थी। इसके बाद फिर से दबंगई पूर्वक मोहन लाल सूर्यवंशी द्वारा शासकीय भूमि पर घर बनाया जा रहा है। शत्रुहन सूर्यवंशी द्वारा अहाता बनाया जा रहा है। अहाता निर्माण के लिए कई बार राशि आ चुकी है। लेकिन बेजाकब्जा होने के कारण आहाता निर्माण नहीं हो सका और राशि वापस हो गई है। इससे परेशान होकर सरपंच सहित शिक्षकों ने जल्द बेजाकब्जा हटाने को लेकर तहसीलदर को ज्ञापन सौंपा है। ताकि स्कूल का आहाता निर्माण में कोई बाधा न रहे। ग्रामीणों द्वारा मनमानी करते हुए बेजाकब्जा किया जा रहा है। अगर जल्द ही बेजाकब्जा पर कार्रवाई नहीं की गई तो स्कूल की जमीन भी नहीं बच पाएगी। ज्ञापन सौपने वालों में सरपंच छतराम कश्यप, कोटवार मनोज दास, लकेश्वरी कश्यप, गौरी बाई सहित प्रधान पाठक नवीन प्राथमिक शामिल मौजूद रहे।

बॉडी बिल्डिंग में स्वर्ण पदक किया प्राप्त

जांजगीर। बॉडी बिल्डिंग में चांपा के राज प्रधान ने एक बार फिर बाजी मारते हुए प्रतियोगिता में कई पदक हासिल कर नगर को गौरवान्वित किया। जिसमें राज प्रधान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मेंस कैटेगरी के फिटनेस आईसीएन में प्रथम स्थान तथा नेचुरल फिट मेंस फिजिक में तीसरा स्थान प्राप्त कर एक स्वर्ण तथा एक कांस्य पदक हासिल कर जिले के साथ साथ पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। चांपा नगर आगमन पर दोस्तों द्वारा लायंस चौक में भव्य आतिशबाजी के साथ स्वागत किया। मैंस पावर लिफ्टिंग, वेट लिफ्टिंग, मॉडलिंग, बॉडी बिल्डिंग, फिटनेस मॉडलिंग में निरंतर अपने कदम आगे बढ़ाते जा रहा हैं तथा जिले का नाम रोशन कर रहा हैं। परिजनों व मित्रा सहित शहरवासियों में हर्ष व्याप्त है।

हत्या के पांच आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अकलतरा। अकलतरा थाना क्षेत्र के ग्राम सांकर में सोमवार को एक शराबी की पांच लोगों ने मिलकर हत्या कर दी। हत्या के आरोपियों को अकलतरा पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है। अकलतरा के सूरज पहला निवासी सांकर की सोमवार को मौत हो गई थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। जांच दौरान पता चला कि सूरज पटेल की मृत्यु मारपीट करने से शरीर में चोटे आने के कारण हुई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 103-1 बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया। हत्या को गंभीरता से लेते हुए थाना स्तर से टीम गठित की गई। प्रकरण में हत्या के संबंध में ग्राम सांकर जाकर पूछताछ पतासाजी के दौरान संदेह के आधार पर अशोक पटेल, नंदन उर्फ परदेशी पटेल, फेकू लाल सहिस, लक्ष्मण सिंह सिदार एवं ममतेष कुमार सहकर सभी निवासी ग्राम सांकर को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की गई तो उन्होंने राज उगल दिया।

आरोपियों ने बताया कि मृतक सूरज पटेल अत्यधिक शराब पीने का आदी था। इन्हीं हरकतों के चलते उसकी पत्नी घर छोड़कर मायके चली गई है। उसके बच्चे घर में रहते हैं। सोमवार को सूरज पटेल शराब के नशे में चूर होकर घर आया और अपने दो साल की बेटी को पटक दिया। इससे उसके सिर में गंभीर चोटें आई है। उसे पड़ोस के लोगों ने ऐसा करने से मना किया। लेकिन सूरज तुम कौन होते हो मुझे रोकने वाले कहकर उल्टे मना करने वालों से ही उलझ गया। ऐसे में पांच लोगों ने गुस्से में आकर सूरज की धुनाई कर दी। आखिरकार सूरज की इतनी पिटाई की कि उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

मुक्तिधाम में किया बेजाकब्जा, दाह संस्कार में हो रही परेशानी

जांजगीर-चांपा। ग्राम सेमरा के मुक्तिधाम में गांव के ही व्यक्ति के द्वारा बेजाकब्जा कर लिया गया है, जिसके चलते लोगों को दाह संस्कार करने में परेशानी रही है। इस समस्या को लेकर पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है।

ज्ञात हो कि नवागढ़ ब्लॉक अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सेमरा में गांव के ही एक व्यक्ति के द्वारा मुक्तिधाम में अवैध तरीके से बेजाकब्जा कर लिया गया है, जिसके चलते दाह संस्कार करने में परेशानी होती है। इस समस्या को लेकर ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक से फरियाद लगाई है। ग्राम पंचायत सेमरा में मुक्तिधाम वाले स्थल को बेजाकब्जा कर लिया गया है। इस बात की जानकारी पूर्व में भी की जा चुकी है, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिसके चलते अंतिम संस्कार कराने के लिए भी लोगों को समस्याओं से जूझना पड़ता है। इस बात की जानकारी पुलिस कप्तान को देकर निजात दिलाने की मांग की है। ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने मुक्तिधाम को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में मनमोहन, सालिकराम, टुकेश्वर, जगतराम, संतोष, रामायण बाई, श्रवण कुमार, विष्णु कश्यप सहित अन्य लोग शामिल थे।

बुजुर्गों का फिंगर नहीं हो पा अपडेट राशन मिलने में आ रही दिक्कतें

जांजगीर-चांपा। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाले सरकारी राशन पाने बुजुर्गों की दिक्कते काफी बढ़, गई है। उनका फिंगर अपडेट नहीं हो पाने के चलते राशन मिलने मे परेशानी हो रही है। इस समस्या को लेकर व्यवस्था बनाने पर ध्यान तक नही दिया जा रहा है।

गौरतलब है कि खादय सुरक्षा अधिनियम के तहत पात्र लोगों को नि शुल्क चांवल व नमक का वितरण सरकारी राशन दुकानो के माध्यम से किया जा रहा है। वही दुसरी ओर राशन पाने के लिए बुजुर्गो को सर्वाधिक परेसानियो से जुझना पड जा रहा है। बुजुर्गों का फिंगर मशीन से अपडेट नहीं हो पा रहा है। जिसके चलते उनकी परेशानी और भी बढ गई है। वही इस समस्या को लेकर ध्यान देने वाला तक नहीं है। जानकारी के अनुसार जांजगीर चाम्पा जिले में 3 लाख 53 हजार 658 राशन कार्ड धारी लोगो की संख्या है। जिन्हे राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। इनमें शहरी क्षेत्रो के अंतर्गत 47 हजार 987 तो वही ग्रामीन क्षेत्र के अंतर्गत 3 लाख 5 हजार 671 लोगो के नाम राशन कार्ड बनाए गए है। इनमे एक राशन कार्ड अंतर्गत 3 से 4 सदस्यो को राशन मिल रहा है। आंकडो पर नजर डाली जाए तो शहरी क्षेत्रो मे 29 हजार 671 प्राथमिकता एवं घर ग्रामीण क्षेत्रो में 2 लाख 10 हजार 402 प्राथमिकता वाले राशन कार्ड धारी है। अंत्योदय के तहत शहरी क्षेत्रो में 7 हजार 238 प्राथमिकता एवं ग्रामीण क्षेत्रो में अंत्योदय के तहत 40 हजार 844 लोगो के राशन कार्ड बनाए गए है। निराश्रित के तहत शहरी क्षेत्रो में 301 राशन कार्ड बनाए गए है। वही ग्रामीण क्षेत्रो में 1 हजार 775 लोगो के कार्ड बनाए गए है। नि:शक्त जन जिनमें शहरी क्षेत्र के 168 एवं ग्रामिण क्षेत्रों के 677 लोगो के कार्ड बनाए गए है। एपीएल के तहत शहरी क्षेत्रो में 10 हजार 609 लोगो के राशन कार्ड पात्रता के अनुसार बनाए गए है। साथ ही साथ ग्रामीण क्षेत्रो में पात्रता के अनुसार एपीएल के 51 हजार 973 कार्ड जारी किए गए है।

नन्दौरकला में विकासखंड स्तरीय युवा उत्सव का हुआ आयोजन

सक्ती। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नन्दौरकला में विकासखंड स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में लोकगीत, लोकनृत्य, कहानी लेखन, चित्रकला, निबंध लेखन, रंगोली, विज्ञान मेला, रॉक बैंड, हस्तशिल्प, आदि में शासन द्वारा आयोजन में 15 वर्ष से 29 वर्ष तक के विभिन्न स्कूलों के युवाओं को शामिल किया गया। आयोजन में राजेश राठौर अध्यक्ष जनपद पंचायत सक्ति, टिकेश्वर गबेल जिला पंचायत सदस्य, रामनरेश यादव, प्रीति पवार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सक्ति, के पी राठौर खंड शिक्षा अधिकारी, संतोष सोनी लेखाधिकारी, राजकुमार रात्रे वरिष्ठ करारोपण अधिकारी, अविनाश राजपूत, आकांक्षा सिंह कार्यक्रम अधिकारी सहित अधिकारी कर्मचारी सहित अधिक संख्या में ग्रामीण और विद्यार्थी उपस्थित थे।

बादल छंटते ही दिन में भी ठंड का अहसास

चांपा। मौसम साफ होते ही फिर से ठंड बढ़ने लगी है। सोमवार को मौसम शुष्क होने से दिन में ठंड का अहसास होने लगा। वहीं, रात में भी कड़ाके की ठंड शुरू हो गई। मौसम विभाग ने आने वाले दो से तीन दिन ठंड में तेजी आने की संभावना जताई है।

पिछले कुछ दिनों से मौसम में उतार-चढ़ाव का दौर चल रहा था। पश्चिमी विक्षोभ के चलते आसमान पर बादल छाए रहे। जिसके प्रभाव से ठंड गायब सी हो गई थी। लेकिन, मौसम साफ होते ही ठंड ने असर दिखाना शुरू कर दिया है। सोमवार को ठंड की वजह से शहर में लोगों की देर से नींद खुली।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र./निर्माण/2024 दिनांक 03.12.2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	नगर पालिक निगम कोसाबाड़ी जोन अंतर्गत नाली, सड़क एवं भवन के मरम्मत कार्यों हेतु वार्षिक दर निर्धारण (मरम्मत एवं संधारण मद) (प्रथम निविदा)	100.00	23.12.2024 (T.No.162277)
2	नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत विभिन्न वार्डों में जीर्ण-शीर्ण डामरीकृत सड़कों का मरम्मत एवं पेंच रिपेयरिंग कार्य (मरम्मत एवं संधारण मद) (प्रथम निविदा)	100.00	23.12.2024 (T.No.162282)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेबसाइट www.korbamunicipal.in एवं www.korba.urbanecg.gov.in पर भी देखी जा सकती है।

//स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें//

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

जल जीवन मिशन के 2 ठेकेदारों का अनुबंध निरस्त, 65 ठेकेदारों को भी नोटिस

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ डिवीजन में जल जीवन मिशन के काम में देरी करने वाले दो ठेकेदारों के अनुबंध रद्द कर दिए गए हैं। एक ही गांव का काम लेने वाले इन दो ठेकेदारों ने अनुबंध अवधि में काम शुरू नहीं किया था। जिसके चलते पीएचई विभाग की ओर से कार्रवाई की गई है।

जांजगीर-चांपा की मेसर्स हीरा देवी को जल जीवन मिशन के तहत विकासखंड धर्मजयगढ़ के ग्राम गीधकालो में एकल ग्राम नल जल प्रदाय योजना में पाइप लाइन बिछाने, जोड़ने और निर्माण का काम दिया गया था।इनका अनुबंध 27 नवंबर 2023 को समाप्त हो गया है। संबंधित फर्म ने अभी तक काम शुरू नहीं किया है। ऐसे में विभाग ने इसका अनुबंध निरस्त कर दिया है। इसकी जमा सुरक्षा राशि जब्त कर ली गई है।

27 जनवरी को समाप्त हो गया अनुबंध

इसी तरह, धर्मजयगढ़ के ग्राम रामपुर में नल जल प्रदाय योजना में नल कनेक्शन विस्तार का काम सक्ती जिले के मेसर्स के पी राठौर को दिया गया था। उनका अनुबंध 27 जनवरी 2024 को समाप्त हो गया, लेकिन उन्होंने भी अभी तक काम शुरू नहीं किया है। इस वजह से विभाग ने दोनों का अनुबंध निरस्त कर अमानत राशि को राजसात कर लिया है। इसके साथ ही राज्य कार्यालय में मिशन डायरेक्टर को पत्र लिखकर दोनों ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने के लिए अनुशंसा की गई है।

मार्च 2025 तक काम पूरा करने का टारगेट

ग्रामीण क्षेत्र के हर घर में नल कनेक्शन के लिए जल जीवन मिशन के तहत 2 लाख 42 हजार 872 नल कनेक्शन लगाने का टारगेट दिया गया था। जिसमें से 1 लाख 98 हजार 920 नल कनेक्शन दिया जा चुका है। बाकी लक्ष्य को मार्च 2025 तक पूरा करने का टारगेट है। पहले 2024 तक काम पूरा करना था, लेकिन ठेकेदारों की लेटलतीफी के कारण काम पूरा नहीं हो सका।

65 ठेकेदारो को नोटिस भी दिया

पीएचई विभाग के ईई परिक्षित चौधरी ने बताया कि, 70 गांव के हर घर में पानी सप्लाई किया जा रहा है। जिसका सत्यापन भी हो चुका है। लेटलतीफी करने वाले 2 ठेकेदारों का अनुबंध निरस्त किया गया है। पहले भी 65 ठेकेदारों को नोटिस भी दिया गया। जिले में 120 ठेकेदार जल जीवन मिशन का काम कर रहे हैं। जिनके कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है।

बिलासपुर में सरपंच और उपसरपंच बर्खास्त

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के ग्राम पंचायत बसिया के सरपंच और उपसरपंच ने मिलकर गौठान की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया। जिसमें उन्होंने मकान और डेयरी फार्म बना लिया। एसडीएम ने जांच में अवैध कब्जा होना बताया। उनके प्रतिवेदन पर एडिशनल कलेक्टर ने महिला सरपंच और उपसरपंच को बर्खास्त कर दिया है। मामला बिल्हा विकासखंड का है। एडिशनल कलेक्टर की कोर्ट से जारी आदेश के अनुसार, ग्राम पंचायत बसिया की सरपंच उषा यादव पति कृष्ण कुमार यादव और उपसरपंच बलदाऊ यादव के खिलाफ सरकारी जमीन में अवैध कब्जा करने की शिकायत की गई थी। जिस पर इस मामले की जांच कर अतिरिक्त तहसीलदार ने 8 अक्टूबर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने कहा गया।

बाइक सवार छात्र ट्रैक्टर की चपेट में आया, मौत

रायगढ़। मंगलवार सुबह प्रीबोर्ड परीक्षा देने के लिए स्कूल जा रहे दो छात्र को ट्रैक्टर चालक ने अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरा गंभीर रूप से घायल है। उसे उपचार के लिए हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है। घटना कापू थाना क्षेत्र के रनपुरीहा मंदिर की है। मंगलवार की सुबह खम्हार धान मंडी से आ रहे ट्रैक्टर के चालक ने 12वीं प्री-बोर्ड परीक्षा देने जा रहे के सुरेश बैगा निवासी चाल्हा को अपनी चपेट में ले लिया। इससे छात्र की मौके पर ही मौत हो गई।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

बिलासपुर मण्डल — Annexure-I

पार्सल इ-ऑक्शन - COM/BSP/E-AUCTION/PARCEL/24

एसएलआर में पार्सल स्थान को पट्टे पर देने के अनुबंध के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की गई है। कैटलॉग पहले ही IREPS वेबसाइट (https://ireps.gov.in) पर प्रकाशित की जा चुकी है। विवरण निम्नानुसार है-

कैटेलॉग क्र.	श्रेणी	नीलामी आरंभ	लॉट क्रमांक/कैटेगरी	लॉट विवरण	अनुबंध अवधि
बीएसपी-एसएलआर-पार्सल	पार्सल	18.12.2024 15:00	18114-एसएलआर-एफ1-बीएसपी-टाटा-24-1 (पार्सल एसएलआर); 18114-एसएलआर-एफ2-बीएसपी-टाटा-24-1 (पार्सल एसएलआर)	एसएलआर कोचिंग में पार्सल स्पेस (सिंगल कम्पार्टमेंट)	02 वर्ष

18114-एसएलआर-आर1-बीएसपी टाटा 24-1 (पार्सल एसएलआर), 18247-एसएलआर-एफ1-बीएसपी-[illegible]-24-1 (पार्सल एसएलआर), 18247-एसएलआर-एफ2-बीएसपी-[illegible]-24-2 बीएसपी-एसएलआर, 18236-एसएलआर-एफ1-बीएसपी-[illegible]-24-1 (पार्सल एसएलआर), 18236-एसएलआर-एफ2-बीएसपी [illegible]-24-1 (पार्सल एसएलआर), 18257-एसएलआर-एफ1-बीएसपी-[illegible] 24-2 (पार्सल एसएलआर), 18257-एसएलआर-आर1-बीएसपी [illegible] 24-1 (पार्सल एसएलआर), 11202-एसएलआर-एफ1-[illegible]-24-2 (पार्सल एसएलआर), 11202-एसएलआर-आर1-[illegible] 24-2 (पार्सल एसएलआर), 22407-एसएलआर-एफ1-[illegible]-24-1 (पार्सल एसएलआर), 17481-एसएलआर-आर1-बीएसपी-[illegible]-24-1 (पार्सल एसएलआर), 18234-एसएलआर-आर1-बीएसपी-[illegible]-24-1 (पार्सल एसएलआर), 12849-एसएलआर-एफ1-बीएसपी [illegible]-24-1 (पार्सल एसएलआर), 22619-एसएलआर-एफ1-बीएसपी-[illegible]-24-1 (पार्सल एसएलआर)

सीपीआर/10/AM/370

मंडल वाणिज्य प्रबंधक
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

अनमोल वचन......

जिस तरह से आप बदलाव लाओगे खुद में उसी तरह से आपके ज़िंदगी में बदलवा आयेगे।

रोजगार ढूंढना बड़ी चुनौती

हर साल 15 लाख इंजीनियरिंग छात्र जॉब मार्केट में आते हैं। लेकिन रोजगार ढूंढना उनके लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। चुनौतियों के स्पष्ट होने और इन पर कई वर्षों से चर्चा जारी होने के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। भारत में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले सिर्फ 10 फीसदी नौजवानों को सिक्योर जॉब मिलने की संभावना रह गई है।

वैसे इंजीनियरिंग स्नातक केवल 60 प्रतिशत हैं, जिन्हें आज बाजार में रोजगार पाने लायक समझा जाता है। केवल उद्योग जगत की बात करें, तो ऐसे स्नातकों की संख्या महज 45 फीसदी है।

भारत में इंजीनियरिंग की पढ़ाई और उससे प्रशिक्षित होकर निकले इंजीनियरिंग स्नातकों की बदहाली की ये कहानी मानव संसाधन क्षेत्र की एजेंसी टीमलीज की ताजा रिपोर्ट से सामने आई है।

उसके मुताबिक इस बदहाली का प्रमुख कारण इंजीनियरिंग स्नातकों में आज के तकाजे के अनुरूप कौशल का अभाव है। भारत में हर साल 15 लाख छात्र इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी कर जॉब मार्केट में आते हैं। लेकिन रोजगार ढूंढना धीरे-धीरे उनके लिए एक बड़ी चुनौती बनता गया है। दुखद यह है कि संबंधित चुनौतियों के स्पष्ट होने और इन पर कई वर्षों से चर्चा जारी होने के बावजूद स्थिति में सुधार की कोई गुंजाइश नहीं बनी है। रिपोर्ट में उचित ही इस ओर ध्यान खींचा गया है कि लंबे समय से इंजीनियरिंग शिक्षा भारत के विकास की बुनियाद रही है। इसीलिए नौजवानों के लिए करियर का यह पसंदीदा विकल्प रही।

देश में बुनियादी ढांचे के विकास एवं सकल प्रगति को आकार में इंजीनियरों की प्रमुख भूमिका रही है। लेकिन अब हालत बदल चुकी है। तकनीकी उन्नति जिस दिशा में हुई, भारत की इंजीनियरिंग शिक्षा को उसके अनुरूप विकसित नहीं किया गया।

नतीजा अब भुगतना पड़ रहा है। नेसकॉम का अनुमान है कि अगले दो-तीन साल तक भारतीय तकनीकी सेक्टर को ऐसे दस लाख इंजीनियरों की जरूरत पड़ेगी, जो आर्टिशिफियल इंटेलीजेंस, बैटरी संचालित वाहनों, सेमीकंडक्टर और अन्य उन्नत हो रही तकनीक में पारंगत हों। लेकिन ऐसे इंजीनियर बहुत कम संख्या में तैयार हो रहे हैं। किसी भी देश में विकास के बुनियादी स्तंभ विज्ञान, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित में शिक्षित नौजवान होते हैं।मगर शर्त यह है कि उन्हें वक्त की जरूरत के हिसाब से क्वालिटी शिक्षा मिली हुई हो। इस कसौटी पर भारतीय शिक्षा व्यवस्था नाकाम हो रही है, तो उसका अर्थ है कि अपना देश विकास की होड़ में पिछड़ा बना रहेगा।

राशिफल

मेष राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए आप कोई नई योजना बना सकते हैं। कोई अच्छी खबर आपको मिल सकती है। अचानक धन लाभ होने की संभावना है। इस राशि के जो लोग नौकरी में है, आज उन्हें सफलता मिल सकती है। किसी कार्य में अपनों की मदद आपको मिल सकती है।

वृष राशि- आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आपका कोई सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा। इस राशि के छात्रों के करियर में आज के दिन नया बदलाव आयेगा। जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा। आपका सेहत बेहतर बना रहेगा। इस राशि के जो लोग सोशल साइट्स से जुड़े हैं, उनकी जान-पहचान किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जो उनको लाभ पहुंचाएगी।

मिथुन राशि- आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। सामाजिक क्षेत्र में आपकी सक्रियता बढ़ सकती है। किसी काम में आपको सकारात्मक परिणाम मिल सकता है। किसी पुराने दोस्तों से मिलने का योग बन रहा है। परिवार से जुड़ी कोई अच्छी खबर आपको मिल सकती है। आज आप जीवनसाथी के साथ यादगार पल बितायेंगे।

कर्क राशि- आज आपका दिन सामान्य रहेगा। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। आपको अपने सोच और व्यव्हार को संतुलित रखना चाहिए। किसी पर ज्यादा भरोसा करने से आपको बचना चाहिए। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। आपको कोई बड़ा फैसला लेने से बचना चाहिए।

सिंह राशि- आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपको कुछ काम में किसी अनुभवी व्यक्ति से मदद मिल सकती है। परिवार के साथ मूवी का प्लान बना सकते हैं। पैसों के लेन-देन करने से आपको बचना चाहिए। अगर आप समय का सदुपयोग करेंगे, तो आपको फायदा जरूर मिलेगा। किसी तरह की पुरानी बातों पर ध्यान देने से आपको बचना चाहिए। कामकाज की स्थिति मजबूत रहेगी।

कन्या राशि- आज आपका दिन शानदार रहेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। इस राशि के छात्रों को अपने शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर भी सामने आएंगे। संतान पक्ष की ओर से आपको सुख की प्राप्ति होगी। आपको कोई अच्छी खबर भी मिल सकती है।

तुला राशि- आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। ऑफिस के काम में आप बिजी हो सकते हैं। सोसाइटी में किसी मुद्दे को लेकर आप अपनी बात दूसरों के सामने रख सकते हैं, जिसका प्रभाव कुछ लोगों पर साफ दिखेगा। आपका आर्थिक पक्ष थोड़ा कमजोर हो सकता है। परिवार के कुछ मामलों में आपको अनदेखा करने से बचना चाहिए।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। थोड़ी-सी मेहनत करके आप अपने उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिहाज से आज का दिन बेहतर है। आप हर काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश कर सकते हैं।

धनु राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। ऑफिस में सभी लोगों के साथ बेहतर तालमेल बना रहेगा। अचानक नए स्रोतों से हुआ धन लाभ आपकी आर्थिक स्थिति को संतुलित कर देगा। आप शाम तक किसी समारोह में शामिल हो सकते हैं। किसी पुराने मित्र से मिलकर आपका मन प्रसन्न होगा।

मकर राशि- आज आपका दिन सामान्य रहेगा। पारिवारिक मामलों को लेकर आपको थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है। ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे हो सकते हैं, इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है। किसी बात को लेकर भाई-बहन से थोड़ी अनबन हो सकती है। आप बच्चों के साथ टाइम स्पेंड कर सकते हैं।

कुंभ राशि- आज आपका दिन शानदार रहेगा। कामकाज से जुड़ी कोई बड़ी चुनौती आपके सामने आयेगी। साथ ही आप इसमें सफल भी होंगे। घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आपको अचानक धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आपको किस्मत का पूरा-पूरा साथ मिलेगा। साथ ही दूसरे लोग आपके कामकाज से प्रभावित भी होंगे। आपकी तरक्की के नये रास्ते खुलेंगे। परिवार में मधुरता के साथ विश्वास भी बढ़ेगा।

मीन राशि- आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। किसी खास काम में आपको फायदा मिल सकता है। भाई-बहन के साथ आपके संबंध बेहतर होंगे। जीवनसाथी आपकी बात से प्रभावित हो सकते हैं। बिजनेस के मामलों में दिन अच्छा हो सकता है। सामाजिक कामों में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

खाद्य पदार्थों की कीमतें तेजी से बढ़ी

//प्रो. लल्लन प्रसाद//

अक्टूबर, 2024 में महंगाई दर 6.21 प्रतिशत पर पहुंच गई जो पिछले 14 महीने का सबसे ऊंचा स्तर है, यह रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की 4-6 प्रतिशत की सीमा, जो अर्थव्यवस्था के लिए सुरक्षित मानी जाती है, के ऊपर है, जो चिंता का विषय है। खाद्य पदार्थों की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। यह स्थिति ऐसे में है जब अधिकांश खाद्य पदार्थों की पैदावार कम नहीं हुई है। एक अनुमान के अनुसार वितरण की अव्यवस्था के कारण लगभग 20 प्रतिशत गल्ला उन लोगों तक नहीं पहुंच पाता जिनको उसकी आवश्यकता है। फर्जी राशन कार्ड और राशन कार्ड के दुरुपयोग और काले बाजार में गल्ला बेचने की घटनाएं आम हैं। व्यापारियों और अमीर किसानों द्वारा गल्ले का स्टॉक बढ़ा कर कीमतों को प्रभावित करने पर सरकारी नियंत्रण कमजोर है।

तेजी से बढ़ती आबादी के कारण खाद्य पदार्थों की मांग भी बढ़ रही है। इसमें संदेह नहीं किंतु कीमतें उससे भी अधिक तेजी से बढ़ रही हैं। कुछ खाद्य पदाथरे की मांग-पूर्ति में बड़ा अंतर है, जिसके कारण उनकी कीमतों पर लगाम लगाना सरकार के लिए मुश्किल हो रहा है जैसे दालें, मौसमी सब्जियां, फल आदि। शाकाहारी लोगों की थालियां ही महंगी नहीं हुई हैं, वे लोग भी जो मांस, मछली, चिकन आदि का सेवन करते हैं, बढ़ती कीमतों से त्रस्त हैं।

खाद्य पदार्थों के अतिरिक्त रोजमर्रा के उपयोग की चीजें-घी, तेल, साबुन, मसाले और किराने के अधिकांश सामान महंगे होते जा रहे हैं, जो लोगों की जेब पर भारी पड़ रहे हैं। कीमतों में वृद्धि के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यालय मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारत की उपभोक्ता मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति सितम्बर, 2024 में बढ़ कर 5.4 9त्न हो गई। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए मुद्रास्फीति दर क्रमश- 5.87त्न और 5.05त्न थी।

अक्टूबर के आंकड़े और भी निराशाजनक थे, महंगाई दर 6.21त्नपर पहुंच गई, ग्रामीण क्षेत्रों के लिए यह 6.68त्न और शहरी क्षेत्रों के लिए 5.62त्न थी। शहर वालों की अपेक्षा गांव के लोगों पर महंगाई की मार अधिक देखी गई। रिजर्व बैंक ने महंगाई की इस स्थिति का संज्ञान लेते हुए अल्पकालीन ऋण दर को बदलने से मना कर दिया और सरकार को सुनिश्चित करने को कहा कि मुद्रास्फीति मार्जिन को चार प्रतिशत पर लाने की कोशिश करे।

गेहूं की कीमत पिछले कुछ वर्षों से लगातार तेजी से ऊपर जा रही हैं। 2010 में गेहूं की औसत कीमत 1100 रुपये प्रति क्विंटल थी जो 2015-16 में 1450 पर आ गई, अक्टूबर, 2024 में यह 2700 के ऊपर पहुंच गई। किसानों को इसका लाभ मिला किंतु उतना नहीं जितना अपेक्षित था क्योंकि इनपुट कीमतें खाद, बीज, डीजल, भाड़ा, श्रम, सभी महंगे होते गए। सरकार ने 2024-25 के लिए गेहूं की न्यूनतम खरीद दर 2425 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित की जिसे किसान बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। आम उपभोक्ता गेहूं की बढ़ती कीमतों से त्रस्त हैं। गरीबी में आटा गीला की कहावत चरितार्थ हो रही है। दालें शाकाहारी खाने में प्रोटीन की मुख्य स्रोत हैं, उनकी कीमतें पिछले कई वर्षों से लगातार बढ़ती जा रही हैं।

2020 में अरहर की दाल 80 रुपये प्रति किलो थी जो अब 180 प्रति किलो के लगभग है। अधिकांश दालों की खुदरा कीमत बाजार में 100 रुपये प्रति किलो के ऊपर है। दुनिया के दालों के कुल उत्पादन में भारत का हिस्सा 25 प्रतिशत है, किंतु यह मांग से कम है, आयात की आवश्यकता पड़ती है। सब्जियों की कीमतें तो मौसम के अधीन रहती हैं, जिन पर जलवायु परिवर्तन का असर बराबर देखा जा रहा है। पिछले कुछ महीनों से टमाटर, आलू, प्याज आदि की कीमतें आसमान छू रही हैं। आटा, दाल, सब्जी और मसालों की कीमतों में लगातार बढ़त घर के खाने की थाली दिनोंदिन महंगी करती जा रही है, औसतन 10त्न प्रति वर्ष से अधिक की वृद्धि हो रही है। ढाबों से लेकर रेस्टोरेंट, होटल सभी में खाना महंगा होता जा रहा है। मांस, मछली, चिकन, अंडे की कीमतों में भी लगातार वृद्धि हो रही है। दूध उत्पादन में विगत वर्षो में अच्छी वृद्धि हुई है किंतु साथ ही कीमतें भी बढ़ी हैं। 2018-19 में भारत में दूध का उत्पादन 180 मिलियन टन के लगभग था जो 2023-24 में बढ़ कर 240 मिलियन के ऊपर पहुंच गया। इस बीच, दूध की सभी बड़ी कंपनियों ने कई बार कीमतों में वृद्धि की। देसी घी, खोवा और उनसे बनने वाली मिठाइयों की कीमतें भी बढ़ती जा रही हैं।

खाद्य पदार्थों के अतिरिक्त रसोई गैस, पेट्रोल, डीजल, सोना-चांदी, आभूषणों, प्रसाधन के सामानों आदि की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी आम आदमी को प्रभावित करता है। 2020 में 14.2 केजी रसोई गैस सिलेंडर की कीमत सब्सिडी बिना 590 रुपये के लगभग थी, जो 2019 में 680 हो गई और वर्तमान में 800 के करीब है, विभिन्न राज्यों में कीमतों में कुछ अंतर है क्योंकि टैक्स की दरें एक सी नहीं हैं। पेट्रोल-डीजल कीमतों में भी इसी कारण राज्यों में अंतर है। इनकी कीमतें अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर निर्भर करती हैं, जिनमें उतार-चढ़ाव होते रहते हैं। इनकी कीमतों में बढ़त पूरी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है, चीजों को महंगी कर देती है क्योंकि ट्रांसपोर्ट का खर्च बढ़ जाता है, किराया भाड़ा महंगा हो जाता है। रेल, रोड, हवाई यातायात सभी महंगे हो जाते हैं। पांच वर्षो पूर्व दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 60 रुपये प्रति लीटर थी जो आज 95 के लगभग है। सोने की खपत विश्व में सबसे ज्यादा भारत में है। 2020 में 10 ग्राम 24 कैरट सोने का दाम 48600 रुपये था जो इस समय 74000 के करीब है।

महंगाई वैश्विक समस्या है। सिर्फ भारत की नहीं है। महंगाई के मामले में भारत विश्व में दसवें स्थान पर है। कहावत है कि अर्थशास्त्र का इतिहास महंगाई का इतिहास है। इसमें कोई संदेह नहीं। हर व्यक्ति अपने जीवन में यह महसूस करता है। चाहे किसी भी देश का हो। पिछले कुछ वर्षो में भारत में महंगाई की अधिकतम दर 13.9 प्रतिशत, 1991 में दर्ज की गई थी। आज भारत में महंगाई 6त्न से कुछ ऊपर है, जापान, चीन, सऊदी अरब में तीन प्रतिशत के लगभग है, जबकि रूस, जर्मनी, नीदरलैंड, इटली और यूके में 10 प्रतिशत के ऊपर है, तुर्की और अर्ज़ेटीना में 83त्न तक की महंगाई दर्ज की गई। दिवालिया होने के कगार पर पहुंचे देशों में महंगाई चरम सीमा पर पहुंच जाती है जैसे श्रीलंका में हुआ था और पाकिस्तान में हो रहा है। महंगाई पर नियंत्रण का सबसे अच्छा तरीका है उत्पादन में वृद्धि एवं प्रभावशाली विपणन-वितरण व्यवस्था।

भारत की आर्थिक चिंताएं बढ़ी

//डॉ. जयंतीलाल भंडारी//

यकीनन इस समय बढ़ते हुए रूस-युक्रेन युद्ध और इस्त्रइल-ईरान संघर्ष के कारण भारत की भी आर्थिक चिंताएं बढ़ गई हैं। ये चिंताएं बढ़ती कीमतों, शेयर बाजार में गिरावट, माल ढुलाई की लागत बढने, खाद्य वस्तुओं की महंगाई, भारत से चाय, मशीनरी, इस्पात, रत्न, आभूषण तथा फुटवियर जैसे क्षेत्रों में निर्यात आदेशों में कमी, निर्यात के लिए बीमा लागत में वृद्धि तथा युद्ध में उलझें हुए देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार में कमी के रूप में दिखाई दे रही हैं।

स्थिति यह है कि वैश्विक शेयर बाजार के साथ-साथ भारत के शेयर बाजार पर भी असर पडना शुरू हुआ है। पश्चिम एशिया संकट और चीन से सरकारी प्रोत्साहन के दम पर बाजार चढने के मद्देनजर भारत के शेयर बाजार में कुछ विदेशी निवेशकों के द्वारा जोखिम वाली संपत्तियां बेची जा रही हैं और वे अपना बड़ी संख्या में निवेश निकाल रहे हैं। स्थिति यह है कि सेंसेक्स और निफ्टी के लिए अक्टूबर और नवम्बर 2024 दो साल की बड़ी गिरावट के महीनों के रूप में दिखाई दे रहे हैं। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की खरीदी का भी रु ख कर रहे हैं। इससे वैश्विक स्तर के साथ-साथ भारत में भी सोने की खपत और सोने की कीमत बढ़ी है।

एक चिंताजनक बात यह है कि ईरान और इस्त्रइल के बीच संघर्ष का असर वैश्विक शिपिंग रूट्स पर भी पड़ सकता है। दुनिया को मिलने वाला करीब एक तिहाई तेल और खाद्य व कृषि उत्पादों का अधिकांश यातायात इसी मार्ग से होता है। इससे खाद्य पदाथरे, जैसे कि गेहूं, चीनी और अन्य कृषि उत्पादों की कीमतें बढने लगेगी। यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि ईरान और इस्त्रइल के बीच युद्ध का अप्रत्यक्ष प्रभाव भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग पर भी पड़ सकता है, क्योंकि भारत अभी भी ज्यादातर दवाओं के लिए कच्चे माल का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है। ऐसे में दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका होगी। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पश्चिम एशिया में युद्ध के बढने पर भारतीय शेयर बाजार में तेज गिरावट और महंगाई वृद्धि का दौर निर्मित होते हुए दिखाई दे रहा है, लेकिन पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच भी भारत के कई ऐसे मजबूत आर्थिक पक्ष हैं जिनसे भारत के आम आदमी और भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक नुकसान नहीं हो सकेगा। खास बात यह है कि इस समय भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।

भारत खाद्यान्न अतिशेष वाला देश है और देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच भी भारत पर दुनिया का आर्थिक विश्वास बना हुआ है। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक 21 नवम्बर तक भारत के पास 650 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार है, जिससे भारत किसी भी आर्थिक जोखिम का सरलतापूर्वक सामना करने में सक्षम है। यदि दुनिया के युद्धग्रस्त देशों में युद्ध और तेजी से बढ़ेगा तो कच्चे तेल के वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढने का सिलसिला शुरू हो सकता है और अब यदि कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेगी तो दुनियाभर में कई वस्तुओं के दाम बढने के साथ-साथ भारत में भी कीमतें बढने का सिलसिला शुरू हो सकता है।

चूंकि ईरान दुनिया के सबसे बड़ा कच्चा तेल उत्पादकों में से एक है और यह देश पश्चिम एशिया के संवेदनशील इलाकों में स्थित है। ऐसे में ईरान के तेल बाजार में अस्थिरता से कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढने पर पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे। यह भी चिंताजनक है कि अभी देश में महंगाई बढने का रु झान स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। 14 नवम्बर को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में थोक महंगाई दर बढ़कर 2.36 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो 4 महीने का उच्चतम स्तर है। बीते महीने खाद्य पदाथरे, विशेष रूप से सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतें महंगी हो गई हैं।

सितम्बर 2024 में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 1.84 प्रतिशत थी। ज्ञातव्य है कि 12 नवम्बर को प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर 2024 में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 6.21 प्रतिशत हो गई। यह महंगाई का 14 महीने का उच्चतम स्तर है। इससे पिछले महीने सितम्बर में खुदरा महंगाई दर 5.49 प्रतिशत दर्ज की गई थी तथा अगस्त में 3.65 प्रतिशत थी। आलू, प्याज के साथ अन्य सभी प्रकार की सब्जियों की कीमतों में तेज वृद्धि तथा महंगे हुए अनाज व फलों के कारण अक्टूबर माह में खाद्य वस्तुओं की खुदरा महंगाई दर भी बढ़कर 10.87 प्रतिशत हो गई, जबकि सितम्बर माह में यह 9.24 प्रतिशत तथा माह अगस्त में 5.66 प्रतिशत थी।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच अब सरकार को भी महंगाई नियंत्रण के लिए बहुआयामी रणनीति की डगर पर आगे बढना होगा। पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव के चलते वैश्विक तेल की कीमतों में आए उछाल पर पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में अधिक तनाव बढने पर भारत कच्चे तेल के किसी भी संकट से निपटने में सक्षम होगा। पहले भारत 27 देशों से कच्चा तेल खरीदता था अब इन देशों की संख्या बढ़कर 39 हो गई है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के बजट के तहत किए गए महंगाई नियंत्रण उपायों पर तुरंत कार्यान्वयन किया जाए।

हम उम्मीद करें कि पश्चिम एशिया संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के विस्तारित होने पर सरकार बाजार की गिरावट रोकने के लिए भी रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ेगी। हम उम्मीद करें कि सरकार पीएलआई योजना के तहत दवाई उद्योग में काम आने वाले जिन 35 प्रमुख कच्चे मालों (एपीआई) का उत्पादन देश में ही कर रही है, उनके अलावा करीब 18 प्रकार के एपीआई का उत्पादन भी देश में ही करने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगी, ताकि दवाइयों के दामों पर नियंत्रण रखा जा सकेगा। ऐसे बहुआयामी रणनीतिक प्रयासों से देश के आमजन व देश की अर्थव्यवस्था को पश्चिम एशिया संघर्ष और विस्तारित होते रूस-यूक्रेन युद्ध के दुष्प्रभावों से बहुत कुछ बचाया जा सकेगा।

खून-खराबे और बर्बादी भरे असद के शासन का अंत

सीरिया के राष्ट्रपति असद भाग गए है। देश में सेना, प्रशासन और सरकार खत्म है। बांग्लादेश की हसीना वाजेद के हालिया पतन के बाद एक और तानाशाह के पतन की कहानी लिखी जा रही है। राष्ट्रपति के राजधानी दमिश्क से भागने के साथ ही, असद परिवार का सीरिया पर पिछले 50 सालों से चला आ रहा राज खत्म हो गया है।रविवार को सुबह-सुबह विद्रोही बलों ने दमिश्क में जयकारे लगाए। जश्न मनाते हुए हवा में गोलियां चलाईं। चारों ओर 'अल्लाह-हु-अकबर' की आवाजें गूंजने लगी। विद्रोही जनता को सीरिया पर नियंत्रण कायम करने में केवल 11 दिन लगे। विद्रोहियों के उत्तर-पश्चिमी सीरिया से अपने हमले शुरू करने के बाद से ही असद की सेना पीछे हटती गई, उन्हें विदेशी मदद न के बराबर हासिल हो सकी और उनके वफादारों ने देश छोड़कर भागना शुरू कर दिया।विद्रोहियों के लिए रास्ता साफ होता गया और एक हफ्ते के अंदर देश के पांच प्रांतों की राजधानियों पर असद का नियंत्रण खत्म था।उथलपुथल और अराजकता सीरिया के लिए नई बात नहीं हैं। वहां के लोग मुसीबतों के बीच जीने के आदी हैं। बशर अल-असद के जुल्मों के चलते वहां हालात पहले से ही बहुत खराब थे।खून-खराबा बड़े पैमाने पर हो रहा था और देश रहने लायक नहीं बचा था। फिर रविवार की सुबह देश देश पर इस्लामिक विद्रोहियों का कब्ज़ा हो गया।हालाँकि इससे असद के 24 साल के निर्मम शासन अंत हुआ है, लेकिन देश एक नर्क से निकल कर दूसरे नर्क में धकेल दिए जाने के मानिंद है।पिछली बार 2011 में असद गंभीर संकट में फंसे थे जब सीरिया के कई शहरों में जनता ने उनके सत्ता छोड़ने की मांग करते हुए बगावत की थी।उस समय असद ने सरकार की ताकत का इस्तेमाल अपनी ही जनता के खिलाफ करते हुए विरोध को सख्ती से कुचला था। धीरे-धीरे इस विरोध ने गृहयुद्ध का रूप ले लिया।असद ने अपनी डरावनी जेलों से जेहादी कैदियों को रिहा करके उनकी खिलाफत कर रही ताकतों और जेहादियों के बीच टकराव पैदा करने का प्रयास किया।उसके बाद उन्होंने अपने मुख्य अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी रूस और लंबे समय के इलाकाई दोस्त ईरान की सहायता ली।ईरान ने लेबनान के शक्तिशाली हथियारबंद संगठन हिज्बुल्लाह के साथ मिलकर उन्हें सैनिक सहायता उपलब्ध करवाई जिससे वे देश पर दुबारा अपना नियंत्रण कायम करने में कामयाब रहे।इस गृहयुद्ध में तीन लाख से अधिक लोग मारे गए। कुछ अनुमानों के मुताबिक मरने वालों की संख्या इससे दोगुनी थी। दसियों हजार लोग जेलों में बंद हैं। सन 2011 से लेकर आज तक कैद किए गए लोगों में से करीब एक लाख या तो गायब हो गए या उन्हें गायब कर दिया गया है।संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रतिनिधियों के मुताबिक, इन लोगों को योजनाबद्ध ढंग से क्रुर यातनाएं दी गईं। करीब 1.20 करोड़ लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए।देश में कई वर्षों तक युद्ध चलता रहा और इस दौरान सीरिया के बड़े शहरों पर असद का नियंत्रण बना रहा।

तस्वीरों की दुनिया

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पूर्व मुख्यमंत्री एस.एम. कृष्णा की अंतिम यात्रा के दौरान बेंगलुरु स्थित उनके आवास पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

नई दिल्ली में 18वीं लोकसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान संसद भवन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में नवनिर्मित पटना कलेक्ट्रेट भवन का उद्घाटन किया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में गोरखनाथ मंदिर परिसर में गौ सेवा की।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू नई दिल्ली में संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में बोलते हुए।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी नई दिल्ली में निरीक्षण के दौरान एक किराने की दुकान पर लोगों से बातचीत करते हुए।

इजरायल ने की सीरियाई सैन्य ठिकानों पर बमबारी मोहम्मद अल-बशीर बने सीरिया के कार्यवाहक प्रधानमंत्री

दमिश्क, 11 दिसम्बर [एजेंसी]।

इजरायल ने मंगलवार को सीरिया में सैन्य ठिकानों पर बमबारी की। जबकि सीरियाई अधिकारियों ने दावा किया कि इजरायली सेना देश में अंदर तक घुस गई है। हालांकि इजरायल ने इससे इनकार किया और कहा कि उसके सैनिक बफर जोन में ही हैं। उसने सीरियाई हथियारों को शत्रुओं से बचाने के उद्देश्य से हमले किए। जबकि मिस्त्र, कतर, जार्डन और सऊदी अरब ने सीरिया में इजरायल की घुसपैठ की निंदा की और उस पर सीरिया के हालात का फायदा उठाने व अंतरराष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन के आरोप लगाए।इस बीच, विद्रोही समर्थित मोहम्मद अल-बशीर सीरिया के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि वह आगामी एक मार्च तक अंतरिम सरकार का नेतृत्व करेंगे। तीन सुरक्षा सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि इजरायली सेना बफर जोन से आगे बढ़ गई है। वे कातना कस्बे तक पहुंच गए हैं, यह बफर जोन से पूर्व में कई किलोमीटर दूर है। यह इलाका दमिश्क एयरपोर्ट से महज कुछ दूरी पर है। बशीर ने कहा गया कि जनरल कमांड ने हमें एक मार्च तक कार्यवाहक सरकार चलाने का काम सौंपा हैजबकि ब्रिटिश आधारित सीरियाई मानवाधिकार निगरानी संस्था ने दावा किया कि सत्ता से बशर-अल असद के अपदस्थ होने के बाद से इजरायल ने देशभर में 300 से अधिक हवाई हमले किए हैं।

इजरायली सैनिक लेबनान के साथ लगती सीमा से सीरियाई क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। हालांकि इजरायल ने खबरों को फर्जी करार दिया है। इजरायली सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल नादाव शोशानी ने कहा, इजरायली टैंकों के दमिश्क की ओर बढ़ने की खबरें फर्जी हैं। इजरायली सैनिक अपने देश की रक्षा के लिए बफर जोन में ही रुके हैं। जबकि ब्रिटिश सुरक्षा फर्म एम्ब्रे ने दावा किया कि इजरायली सेना ने सोमवार को सीरिया के लताकिया बंदरगाह पर नौसेना के छह पोत को निशाना बनाया, जिनमें से पांच डूब गए। इधर, तुर्किये ने कुर्द लड़ाकों की सैन्य आपूर्ति को निशाना बनाया है। उसने उत्तरी सीरिया में कुर्द वाईपीजी मिलिशिया के मिसाइल व हथियार लदे 12 ट्रकों, दो टैंक और गोला-बारूद को तबाह कर दिया।बता दें कि रविवार को विद्रोहियों ने दमिश्क पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद राष्ट्रपति असद को देश छोड़कर भागना पड़ा था। इसके साथ ही सीरिया पर 53 वर्षों से असद परिवार का शासन खत्म हो गया था। इस बदले हालात में इजरायल ने अपनी सेना को उस बफर जोन में भेज दिया था, जहां दोनों देशों के बीच कोई सैन्य गतिविधि न करने का समझौता था।इज़राइल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कहा कि अगर सीरिया में नया शासन ईरान को खुद को फिर से स्थापित करने की अनुमति देता है, या हिजबुल्लाह को ईरानी हथियारों के हस्तांतरण की अनुमति देता है

अशांत सीरिया से भारत ने 75 नागरिकों को निकाला, बचे भारतीयों को इंडियन एंबेंसी के संपर्क में रहने की सलाह दी

नई दिल्ली 11 दिसम्बर। सीरिया में इन दिनों हालात काफी चिंताजनक हैं। विद्रोही बलों ने राष्ट्रपति बशर असद की सत्ता को उखाड़ फेंका और इसके दो दिन के बाद ही भारत ने सीरिया से 75 भारतीय नागरिकों को निकाला है। ये भारतीय लेबनान होते हुए भारत पहुंचेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सुरक्षा स्थिति के आकलन के बाद दमिश्क और बेरूत में भारतीय दूतावासों द्वारा समन्वित निकासी को प्रभावी बनाया गया।देर रात एक बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार ने सीरिया में हालिया घटनाक्रम के बाद आज 75 भारतीय नागरिकों को सीरिया से निकाला। सभी भारतीय नागरिक सुरक्षित रूप से लेबनान पहुंच गए हैं और उपलब्ध वाणिज्यिक उड़ानों से भारत लौट आएंगे। दमिश्क और बेरूत में भारतीय दूतावासों द्वारा समन्वित निकासी, सुरक्षा स्थिति के हमारे आकलन और सीरिया में भारतीय नागरिकों के अनुरोध के बाद प्रभावी की गई थीविदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार विदेशों में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। आगे बयान में कहा कि सीरिया में बचे भारतीय नागरिकों को दमिश्क में भारतीय दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह दी गई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रखना जारी रखेगी। विद्रोहियों ने दमिश्क पर कब्जा कर लिया था।

सुनील पाल से पहले हुआ था मुश्ताक का अपहरण, बिजनौर में वसूली गई फिरौती, इवेंट मैनेजर ने दर्ज कराया मुकदमा

बिजनौर, 11 दिसम्बर [एजेंसी]।

बॉलीवुड के हास्य अभिनेता मुश्ताक मोहम्मद खान का अपहरण कर बिजनौर की चाहशीरी में सवा दो लाख रुपये की फिरौती वसूली गई। किसी तरह मुक्त होकर अभिनेता मुंबई पहुंचे। 20 दिन बाद अभिनेता के इवेंट मैनेजर की ओर से मंगलवार को शहर कोतवाली में अपहरण और फिरौती वसूलने की धारा में केस दर्ज कराया गया है। इस वारदात के पीछे भी कॉमेडियन सुनील पाल के अपहरणकर्ता लवी पाल व अर्जुन कर्णवाल के ही नाम सामने आए हैं। कॉमेडियन सुनील पाल का भी अपहरण कर मेरठ में 6.45 लाख रुपये की फिरौती वसूली गई थी।पश्चिम मुंबई के ओशिवारा पुलिस स्टेशन क्षेत्र के ओशिवारा सरगम हाउसिंग सोसायटी न्यू लिंक रोड निवासी मुश्ताक मोहम्मद खान जाने-माने हास्य अभिनेता हैं। उनके इवेंट मैनेजर शिवम यादव ने शहर कोतवाली में एक नामजद और तीन अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। शिवम ने बताया कि 15 अक्टूबर को राहुल सैनी नाम से उनके पास मोबाइल पर कॉल आई। युवक ने कहा कि मेरठ में कुछ गणमान्य लोगों को सम्मानित करना है। उसने फीस के तौर पर 25 हजार रुपये यूपीआई के माध्यम से एडवांस दे दिए। शेष रकम बाद में देने का आश्वासन दिया। राहुल ने मुश्ताक का एयर इंडिया की फ्लाइट का टिकट भी चार नवंबर को बुक कराया। 20 नवंबर की शाम मुश्ताक दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरे। वहां से राहुल की ओर से बुक कराई कैब में बैठे। एक अन्य व्यक्ति भी कैब में बैठा था। रास्ते में कैब चालक ने मेरठ में दिल्ली-दून हाईवे स्थित जैन शिकंजी पर गाड़ी रोकी और यहां से अभिनेता को लवी पाल गिरोह ने स्विफ्ट कार में बैठा लिया। एतराज करने पर आरोपियों ने कहा कि आगे यह गाड़ी जाएगी।

उस गाड़ी में दो लोग पहले से ही बैठे हुए थे और इस गाड़ी को भी कैब चालक चलाने लगा। कुछ दूर चलने के बाद आरोपियों ने चादर अभिनेता के ऊपर डाल दी और गर्दन नीचे रखने को कहा। गाड़ी करीब तीन-चार घंटे चलती रही। इसके बाद आरोपी अभिनेता को एक घर में ले गए, वहां वॉलेट और क्रेडिट कार्ड मांगने के साथ बेटी और पत्नी के खाते की जानकारी ली। पिन कोड मंगवाकर मुश्ताक के बेटे मोहसिन के खाते से दो लाख रुपये भी आरोपियों ने मंगवा लिए। 21 नवंबर को किसी तरह अभिनेता बंधन मुक्त हुए और अपने एक परिचित की मदद से मुंबई चले गए। एसपी अभिषेक झा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच में टीमें लगी हुई हैं। आरोपी लवी पाल का चरित्र अभिनेता अरुण बख्शी एवं फिल्मी सितारों के साथ एक फोटो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मामले के बाद पुलिस अरुण से लवी का कनेक्शन ढूंढ रही है। इसके साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि लवी का कितने फिल्मी सितारों से कनेक्शन है। देखा जा रहा है कि लवी पाल ने मुंबई में फिल्म कलाकारों तक पहुंच कैसे बनाई। इसके लिए पुलिस की एक टीम को मुंबई भेजा गया है। चरित्र अभिनेता अरुण बख्शी का कहना है कि वह लवी पाल को नहीं जानते। न ही हाल-फिलहाल में वह मेरठ गए हैं। कहीं किसी इवेंट में उसने मेरे साथ फोटो ले लिया होगा।

धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव: राज्यसभा में क्या है संख्या का गणित, NDA या इंडी कौन भारी

नईदिल्ली, 11 दिसम्बर [एजेंसी]।

संसद में जारी तकरार के बीच विपक्ष ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ पर सदन के संचालन में गंभीर पक्षपात करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दे दिया है। आइएनडीआइए गठबंधन के राज्यसभा के करीब 60 सांसदों के हस्ताक्षर युक्त अविश्वास प्रस्ताव मंगलवार को राज्यसभा महासचिव को सौंपा गया।उच्च सदन राज्यसभा के 72 साल के संसदीय इतिहास में किसी सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने की यह पहली घटना है। सदन के संचालन में धनखड़ के कथित पक्षपाती व्यवहार से क्षुब्ध एकजुट विपक्ष ने इस प्रस्ताव के जरिए उन्हें हटाए जाने की मांग की है। सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के विपक्षी दलों के कदम के बाद शीत सत्र में सरकार और विपक्ष में चल रही तकरार अब तल्ख सियासी दौर में पहुंच गई है। सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के इस नोटिस पर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के साथ तृणमूल कांग्रेस, सपा, वामदल, द्रमुक, राजद समेत अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश और पार्टी सांसद नसीर हुसैन ने अविश्वास प्रस्ताव का यह नोटिस राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी को सौंपा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पदेन राज्यसभा के सभापति हैं। ऐसे में उन्हें हटाने के लिए विपक्ष दलों ने संविधान के अनुच्छेद 67(बी) के तहत नोटिस दिया है। प्रस्ताव पर 50 सांसदों के हस्ताक्षर की अनिवार्यता की पहली शर्त के अनुरूप विपक्ष ने यह नोटिस दिया है। इसमें प्रावधान है कि उपराष्ट्रपति को राज्यसभा में बहुमत से हटाने के लिए महाभियोग प्रस्ताव पारित किया जा सकता है मगर इसके बाद लोकसभा से भी प्रस्ताव का पारित होना अनिवार्य है। वैसे आंकड़ों के गणित में विपक्ष के पास राज्यसभा में करीब 103 सदस्य हैं जबकि एनडीए के पास 126 सांसद हैं और ऐसे में धनखड़ को हटाने का प्रस्ताव पारित होने की कोई गुंजाइश नहीं है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ हिन्दू संगठनों ने भरी हुंकार, केंद्र सरकार से सख्त कदम उठाने की मांग

नागपुर, 11 दिसम्बर [एजेंसी]।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार को बांग्लादेश में हिंदुओं के विरुद्ध अत्याचार को रोकने के लिए और ठोस कदम उठाने चाहिए। उसे इस उद्देश्य के लिए दूसरे देशों से बात भी करनी चाहिए। आंबेकर ने यहां एक कार्यक्रम में यह बात कही। यह कार्यक्रम बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू, बौद्ध, जैन और अन्य समुदायों के खिलाफ हो रहे हमलों की निंदा करने के लिए आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है, उससे हर हिंदू को आक्रोशित होना चाहिए। इधर, धार्मिक नेता रामगिरी महाराज ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को रोकने के लिए केंद्र सरकार से तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिला कलेक्ट्रेट में प्रदर्शनकारियों की एक सभा में उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार किया जा रहा है। इधर, समाचार एजेंसी आईएएनएस से वार्ता में साध्वी ऋतंभरा ने केंद्र सरकार से अल्पसंख्यक हिंदुओं के विरुद्ध अत्याचार रोकने के लिए बांग्लादेश की सरकार पर दबाव बनाने की अपील की है। उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि हिंदू समुदाय के धैर्य को कमजोरी न समझा जाए। कैलाश सत्यार्थी ने जताई निराशानोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों खासतौर पर हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर निराशा व्यक्त की। मानवाधिकार दिवस पर उन्होंने कहा कि मानवाधिकारों पर हमला अंतरात्मा पर हमला है।बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध गुवाहाटी में बांग्लादेश के सहायक उच्चायुक्त कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया गया। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के मौके पर लोक जागरण मंच के बैनर तले यह विरोध प्रदर्शन किया गया। वहीं, अहमदाबाद में सैकड़ों लोगों ने मानव चेन बनाकर बांग्लादेश में हिंदुओं के प्रति एकजुटता जाहिर की। इधर, त्रिपुरा में अगरतला रेलवे स्टेशन से दो बांग्लादेशी नागरिकों को उनके दो बच्चों के साथ पकड़ा गया है।

उत्तर प्रदेश में बंद होगी 50 साल पुरानी व्यवस्था, अमीनों के पास होगी लाइसेंसी रिवाल्वर, नहीं रहा साइकिल भत्ते का मतलब!

लखनऊ, 11 दिसम्बर [एजेंसी]।

पचास वर्ष बाद राजस्व परिषद अमीनों को मिलने वाला साइकिल भत्ता बंद करके उन्हें मोटरसाइकिल भत्ता देने की तैयारी कर रहा है। अभी तक अमीनों को साइकिल भत्ते के रूप में 300 रुपये प्रतिमाह मिलते थे, इसे समाप्त करके मोटरसाइकिल भत्ते के रूप में 1,500 रुपये देने का प्रस्ताव विभाग ने तैयार किया है। जल्द ही प्रस्ताव शासन को भेज दिया जाएगा। साथ ही अमीनों को बंदूक की बजाय पिस्टल, रिवाल्वर या अन्य शस्त्र का लाइसेंस देने की भी व्यवस्था बनाई जा रही है। राजस्व परिषद में वर्ष 1959 से अमीनों की तैनाती की व्यवस्था लागू की गई थी। इसके बाद 1974 से अमीनों को साइकिल भत्ता देने की व्यवस्था परिषद ने लागू की थी। वर्ष 1984 से 1996 तक अमीनों को 100 रुपये साइकिल भत्ता दिया जाता था। वर्ष 1996 में साइकिल भत्ता बढ़ाकर 200 रुपये किया गया था। 2020 में सरकार ने इसे बढ़ाकर 300 रुपये कर दिया था। सरकार अभी भी अमीनों का साइकिल भत्ता जारी रखना चाहती थी, लेकिन साइकिल की प्रासंगिकता लगभग समाप्त होने व अमीन संघ की मांग के बाद राजस्व परिषद की नींद टूटी है।

नतीजतन साइकिल भत्ता बंद करके मोटरसाइकिल भत्ता देने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इसके साथ ही अमीनों को बंदूक का लाइसेंस देने की व्यवस्था में भी बदलाव किया जा रहा है। अमीन संघ के साथ बीते दिनों हुई राजस्व परिषद प्रबंधन की बैठक में इस बात पर सहमति बन गई है कि अब अमीनों को बंदूक की बजाय पिस्टल, रिवाल्वर या अन्य शस्त्र लेने के लिए लाइसेंस जारी किया जाएगा। इसके लिए पुलिस सत्यापन की शर्त को आसान बनाने के लिए विभागीय मुखिया की संस्तुति पर लाइसेंस जारी किया जाएगा।

अरविंद केजरीवाल को कब मिलेगा बंगला, शहरी विकास मंत्री ने बताया

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल को अब तक सरकारी बंगला न मिलने पर मंगलवार को केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सफाई दी और कहा कि केजरीवाल की पात्रता टाइप सात के बंगले

की है, लेकिन अभी टाइप सात का कोई बंगला खाली नहीं है।खट्टर ने कहा कि बावजूद इसके उनकी पात्रता के बंगले की तलाश की जा रही है। जल्द ही उन्हें उनकी पात्रता का बंगला दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री खट्टर की यह सफाई मंगलवार को केजरीवाल के बंगले को लेकर उनके पूछे गए सवाल के जवाब में दी है।उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी की ओर से इस संबंध में एक मांग पत्र भी आया है। लेकिन केजरीवाल की जो पात्रता है, उस पात्रता का बंगला अभी खाली नहीं है। उनके पास अभी टाइप पांच और छह श्रेणी के बंगले खाली है, जो उनके अनुकूल नहीं है। बावजूद इसके मंत्रालय उनकी पात्रता के मुताबिक उन्हें सरकारी आवास मुहैया कराने के लिए काम कर रहा है। जल्द ही उन्हें उनकी पात्रता का बंगला मिल जाएगा। खट्टर ने बताया कि सरकारी बंगलों के आवंटन की जो पात्रता है, उनमें राष्ट्रीय पार्टी के मुखिया को टाइप सात का बंगला मिलता है, जो केजरीवाल को भी मिलेगा। गौरतलब है कि केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद अब बंगला न दिए जाने को लेकर आदमी पार्टी सवाल उठा रही है।

एमपी में राजस्थान व हरियाणा की पुलिस टीम पर हमला, तोड़े गए वाहन, जवानों ने भागकर बचाई जान

राजगढ़, 11 दिसम्बर [एजेंसी]।

विवाह समारोहों के दौरान चोरी करने वाले गिरोह को पकड़ने के लिए मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के एक गांव में दबिश देने पहुंची राजस्थान और हरियाणा पुलिस के साथ ही स्थानीय पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। पुलिस टीम पर पथराव किया और लाठियां बरसाते हुए मारपीट की। हमले में राजस्थान और मध्य प्रदेश पुलिस के आठ कर्मी घायल हो गए। पुलिस टीम को जान बचाकर लौटना पड़ा।पथराव में पुलिस के तीन वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। बवाल में 41 लोगों के खिलाफ नामजद एफआइआर दर्ज की गई है। राजगढ़ के बोड़ा थाने के गांव गुलखेड़ी के बदमाशों ने नवंबर के अंतिम सप्ताह से दिसंबर के पहले सप्ताह के बीच जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा और हरियाणा के भिवानी थाना क्षेत्र में कई जगह चोरी की थी। वे विवाह समारोह में जाते और वहां से माल साफ कर फरार हो जाते। सभी स्थानों पर यह चोरियां करीब 40 लाख रुपयों से अधिक की बताई जा रही है। उनकी तलाश में जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा और भिवानी थानों की पुलिस राजगढ़ पहुंची थी। ग्रामीणों के हमले में एक थाना प्रभारी सहित आठ पुलिसकर्मी घायल हो गए। कुछ घंटों के बाद 150 पुलिसकर्मियों की एक दूसरी टीम गांव पहुंची, तब तक आरोपित फरार हो चुके थे।पुलिस ने वहां अवैध शराब बनाने की एक फैक्ट्री पकड़ी है। घायल पुलिस कर्मियों का सरकारी चिकित्सालय में उनका उपचार चल रहा है।नरसिंहगढ़ के एसडीओपी उपेंद्रसिंह भाटी ने बताया कि गुलखेड़ी के बदमाश हरियाणा के भिवानी थाना क्षेत्र में छह लाख की चोरी, राजस्थान के भिलवाडा थाना क्षेत्र में 10 लाख की चोरी, राजस्थान के अजमेर सिटी थाना क्षेत्र में सात लाख की चोरी, अजमेर सिटी थाना क्षेत्र में 3.50 लाख की चोरी, जयपुर थाना-2 क्षेत्र में 14 लाख की चोरी में लिप्त पाए गए हैं।

बांग्लादेश हिंसा पर NHRC से ध्यान देने की अपील, इस्कॉन के प्रवक्ता बोले- इस खुली धमकी को सुनिए और जाग जाइए

कोलकाता। अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) ने मंगलवार को मानवाधिकार दिवस के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों पर ध्यान देने का आग्रह किया।साथ ही कहा कि मानवाधिकारों का ऐसा उल्लंघन अत्यंत दुखद है। कोलकाता में इस्कॉन के प्रवक्ता राधारमण दास ने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को वहां अशांति फैलाने वाले कट्टरपंथियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। वहां के अल्पसंख्यकों को भरोसा दिलाने के लिए उन उपद्रवियों को गिरफ्तार करना चाहिए। दास ने बांग्लादेश में इस्कॉन और हिंदू अल्पसंख्यकों को धमकी देने वाले एक कट्टरपंथी का वीडियो साझा करते हुए कहा कि बांग्लादेशी अल्पसंख्यकों के खिलाफ नरसंहार की इस खुली धमकी को सुनिए और जाग जाइए। जागरण स्वतंत्र रूप से इस वीडियो की प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं करता है।भाजपा विधायक व बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अगुआई वाली अंतरिम सरकार की वैधता पर सवाल उठाया है।बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ मंगलवार को नदिया जिले में सभा को संबोधित करते हुए सुवेंदु ने कहा कि शेख हसीना ही बांग्लादेश की वैध प्रधानमंत्री हैं, बाकी सब अवैध हैं।

मुसलमानों इसे पहचान लो, यही व्यक्ति, संभल जामा मस्जिद में मंदिर का दावा पेश करने वाले वकील को धमकी

संभल, 11 दिसम्बर [एजेंसी]।

जामा मस्जिद में हरिहर मंदिर होने का दवा सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में पेश करने वाले सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन का फोटो एक्स पर वायरल करते हुए भड़काने वाली वाली पोस्ट डालने के मामले में अधिवक्ता की ओर से साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। एक्स पर निधि झा बिहार के नाम से पोस्ट डाली गई है, जिसमें अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन का फोटो अपलोड करते हुए कहा गया है कि मुसलमानों इसे पहचान लो दंगा का मास्टर माइंड यही व्यक्ति है। इसमें अधिवक्ता को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी गई है। पोस्ट में मुसलमानों को उकसाने का प्रयास किया गया है। इस मामले में विष्णु शंकर जैन द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी में अपनी व परिवार की सुरक्षा को लेकर अप्रत्याशित घटना की आशंका व्यक्त की गई है। इसके साथ ही एक्स के हैंडलर के खिलाफ कार्रवाई करने और अपनी व परिवार की सुरक्षा के लिए कदम उठाने

का अनुरोध किया गया है।बता दें कि बीती 19 नवंबर को आठ लोगों की ओर से अधिवक्ता विष्णु जैन द्वारा संभल में स्थित जामा मस्जिद में हरिहर मंदिर होने का दावा के सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में पेश किया गया था। उसी दिन अदालत ने एडवोकेट कमिश्नर की नियुक्ति कर मस्जिद में सर्वे की अनुमति दे दी थी। उसी दिन सर्वे हुआ, लेकिन सर्वे के विरोध में लगातार बढ़ती भीड़ और अंधेरा होने के कारण सर्वे कार्य रोक दिया गया था। इसके बाद 24 नवंबर को फिर सुबह ही मस्जिद में सर्वे की कार्रवाई शुरू हुई थी। कुछ देर बाद ही सर्वे को लेकर भीड़ हिंसक हो गई और पथराव, फायरिंग के साथ ही वाहनों को फूंका गया। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी। कई पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी घायल हो गए थे। सर्वे टीम के साथ अधिवक्ता विष्णु जैन को भी मस्जिद से पुलिस की कड़ी सुरक्षा में मस्जिद से निकाला गया था।इस घटना को लेकर पहले भी अधिवक्ता को फोन पर धमकियां मिलीं थीं, जिसका ऑडियो वायरल किया था। अब फिर से उन्हें एक्स पर धमकी देते हुए मुसलमानों को भड़काने का प्रयास किया गया है। इस मामले में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही पोस्ट करने वाले को तलाश कर लिया जाएगा। इसके लिए व्यापक स्तर पर जांच कराई जा रही है। यह निधि झा के नाम से कौन है, इस तक पुलिस जल्द ही पहुंच जाएगी।

समुद्र मंथन से जुड़ा हुआ है कुंभ महोत्सव इस बार त्रिवेणी संगम में आयोजन

करीब 45 दिनों तक चलने वाले महाकुंभ का आयोजन यूपी के प्रयागराज में होता है। इस बार साल 2025 में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में कुंभ मेले का आयोजन होगा। इसमें लाखों की संख्या में साधु-संत शामिल होते हैं।

सभी को महाकुंभ मेले का बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है। करीब 45 दिनों तक चलने वाले महाकुंभ का आयोजन यूपी के प्रयागराज में होता है। इस बार साल 2025 में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में कुंभ मेले का आयोजन होगा। इसमें लाखों की संख्या में साधु-संत शामिल होते हैं। मान्यता है कि महाकुंभ में शाही स्नान करने से व्यक्ति को जीवन के सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है और उसके जीवन में सुख-समृद्धि व खुशियों का आगमन होता है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, हर 12वें साल बाद पौष माह की पूर्णिमा तिथि को प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन होता है। यह महाशिवरात्रि तक चलता है। इस बार 13 जनवरी 2025 से कुंभ मेला लगने वाला है और इसकी समाप्ति 26 फरवरी 2025 को होगी। लेकिन क्या आप जानते हैं कि महाकुंभ का आयोजन प्रयागराज में ही क्यों होता है। अगर आपको इसका जवाब नहीं पता है तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि महाकुंभ का आयोजन प्रयागराज में क्यों किया जाता है।

पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक कुंभ मेले की शुरूआत की कहानी समुद्र मंथन की कथा से जुड़ी है। कथा के अनुसार, जब देवताओं और असुरों ने अमृत की प्राप्ति के लिए समुद्र मंथन किया, तो मंथन से अमृत का कलश निकला। अब इस अमृत को पाने के लिए देवताओं और असुरों में युद्ध छिड़ गया। तब जगत के पालनहार श्रीहरि विष्णु ने अपने वाहन गरुड़ को अमृत कलश की सुरक्षा सौंप दी। इस दौरान जब गरुड़ कलश लेकर उड़ रहे थे, तो अमृत की चार बूंदे प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में गिर गईं।

तभी से इन 4 जगहों पर कुंभ मेले का आयोजन किया जाता है। धार्मिक मान्यता यह भी है कि अमृत के लिए देवताओं और असुरों में 12 दिवसीय युद्ध हुआ था। देवताओं के 12 दिन मनुष्यों के लिए 12 वर्षों के समान होते हैं। इसलिए हर 12वें साल पर महाकुंभ का आयोजन होता है। वहीं प्रयागराज में गंगा-यमुना और सरस्वती नदी का संगम होता है। जिसके कारण प्रयागराज अन्य जगहों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है।

बता दें कि सरस्वती नदी विलुप्त हो चुकी हैं। लेकिन सरस्वती नदी पवित्र नदी अभी भी धरती के धरातल पर बह रही है। माना जाता है प्रयागराज कलियुग के समय को दर्शाता है कि कलियुग के अंत में अभी कितना समय शेष है। कहा जाता है कि जो भी व्यक्ति इन तीनों नदियों के संगम में स्नान करता है, उसको मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसलिए प्रयागराज में महाकुंभ का अधिक महत्व माना जाता है।

उत्तराखंड के इस स्थान पर शिव पार्वती ने लिए थे सात फेरे

आजकल कपल्स के बीच डेस्टिनेशन वेडिंग का चलन अधिक है। डेस्टिनेशन वेडिंग में कपल्स किसी दूसरे खूबसूरत स्थान पर जाकर परिवार की मौजूदगी में शादी करते हैं। शादी का यह तरीका काफी पसंद आ रहा है, लेकिन डेस्टिनेशन वेडिंग अधिक खर्चीला हो सकता है। सामान्य परिवार सेलिब्रिटी की तरह चाहकर भी डेस्टिनेशन वेडिंग नहीं कर पाते हैं। लेकिन भारत में एक ऐसी जगह है, जहां पर आप डेस्टिनेशन वेडिंग के सपने को पूरा कर सकते हैं और इसमें खर्चा भी कम आएगा। यह स्थान धार्मिक महत्व रखने के साथ ही पर्यटन के लिहाज से भी काफी शानदार जगह है। बता दें कि हरी-भरी पहाड़ियों के बीच खूबसूरत दृश्यों वाले त्रियुगीनारायण मंदिर में जब दूल्हा-दुल्हन पवित्र अग्निकुंड के समक्ष सात फेरे लेते हैं। माना जाता है कि स्वयं भोलेनाथ और मां पार्वती का आशीर्वाद मिलता है। यहां पर शादी के लिए कपल को पैकेज भी दिया जाता है। जिसके लिए आपको कुछ हजार रुपए खर्च करने होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए उत्तराखंड की सबसे सस्ती और सुंदर जगह के बारे में बताने जा रहे हैं। देवभूमि उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में डेस्टिनेशन वेडिंग कर सकते हैं। त्रियुगीनारायण मंदिर ऊखीमठ ब्लॉक में स्थित है। यह मंदिर श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र है। उत्तराखंड जाने वाले श्रद्धालु इस मंदिर के दर्शन के लिए जरूर जाते हैं। साल 2018 में उत्तराखंड सरकार ने त्रियुगीनारायण मंदिर को डेस्टिनेशन वेडिंग स्थल घोषित कर दिया है। सरकार की तरफ से इस मंदिर को डेस्टिनेशन वेडिंग घोषित किए जाने के बाद से यहां पर देश-विदेश से लोग शादी के लिए आते हैं। त्रियुगीनारायण मंदिर में हर साल करीब 200 शादी होती हैं। त्रियुगीनारायण मंदिर की लोकप्रियता शादी के लिए कपल्स के बीच बढ़ने की खास वजह भी है। त्रियुगीनारायण मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। धार्मिक मान्यता है कि इसी स्थान पर भोलेनाथ और मां पार्वती का विवाह हुआ था। त्रियुगीनारायण मंदिर को शिव-पार्वती के विवाह का प्रतीक भी माना जाता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक शिव-पार्वती के विवाह के दौरान यहां पर जलाई गई अग्नि आज भी जल रही है। इस विवाह में श्रीहरि विष्णु ने मां पार्वती के भाई बने थे और ब्रह्म देव पुरोहित बने थे। इसलिए इस विवाह स्थल को ब्रह्म शिला भी कहते हैं। यह शिला मंदिर के ठीक सामने है और मंदिर की स्थापना त्रेता युग में हुई थी। जानकारी के मुताबिक इस मंदिर में शादी करने के लिए आपको पहले रजिस्ट्रेशन करवाना पड़ता है। रजिस्ट्रेशन फीस 1100 रुपए होती है। रजिस्ट्रेशन में कपल का फोन नंबर, आधार कार्ड मंदिर समिति के पास रजिस्टर्ड करवाया जाता है। यहां पर पूरे रीति-रिवाज के साथ शादी करवाई जाती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, त्रियुगीनारायण मंदिर में शादी के लिए वेडिंग पैकेज मिलता है। इस पैकेज में शादी का पूरा इंतजाम शामिल है। हल्दी-मेहंदी और संगीत के फंक्शन से लेकर शादी, रुकने की व्यवस्था, सजावट और खानपान तक की सारी सुविधाएं इस वेडिंग पैकेज में मिल जाती हैं। डेस्टिनेशन वेडिंग से लेकर वेडिंग प्लानर तक की सारी सुविधाएं इस पैकेज के तहत आती हैं। कपल और परिवार को सिर्फ तैयार होकर शादी की रस्मों में शामिल होना होता है। वेडिंग पैकेज करीब 3-4 लाख का हो सकता है। बता दें कि अगर आप इस स्थान पर शादी करने की इच्छा रखते हैं तो आप अपने परिवार और करीबी रिश्तेदारों के साथ यहां आ सकते हैं। क्योंकि इस मंदिर में शादी करने के लिए आप अधिक भीड़ नहीं ला सकते हैं।

वाशिंग मशीन में जूते धोए या नहीं! यहां जानिए जूतों को खराब होने से कैसे बचाएं

आजकल हर घर में आपको वाशिंग मशीन देखने के मिल जाएगी. समय और मेहनत की बचत करने के लिए लोग इसका इस्तेमाल करते हैं. यूं तो लोग घर के गंदे और हैवी कपड़ों को इसमें साफ करते हैं. लेकिन कई लोग अपने जूतों को भी वॉशिंग मशीन में धोने के लिए डाल देते हैं. वॉशिंग मशीन से अपने जूतों को तो आसानी से साफ कर सकते हैं, लेकिन कई बार जूते फट जातें हैं या उसके लेस फंस जाते हैं. ऐसे में कई बार लोगों के मन में ये सवाल जरूर होता है कि क्या वाशिंग मशीन में जूते धोने चाहिए या नहीं? आइए जानते हैं इसके बारे में.

वाशिंग मशीन में जूते धोने से क्या होता है?

वाशिंग मशीन में जूते धोने से उनकी बनावट और मेटेरियल खराब हो सकती है. मशीन की रफ टॉम्बलिंग की वजह से उनकी चमक गायब हो जाती है. अगर आपके जूते चमड़े के हैं तो मशीन में धोने से उनका रंग फीका पड़ सकता है. जूते मशीन में धोने से उनका लचीलापन खत्म हो जाता है. जूतों का चमड़ा भी सूख सकता है. जूते फट सकते हैं. यहां तक की उनका आकार भी गड़बड़ हो सकता है.

चमड़े के जूते मशीन में ना धोएं

वाशिंग मशीन में कभी भूलकर भी चमड़े के जूतों को वॉशिंग मशीन में न धोएं. क्योंकि चमड़ा पानी सोख लेता है. उसे सूखने के लिए ज्यादा गर्मी की जरूरत होती है. इसकी वजह से आपके जूते खराब हो सकते हैं.

सोल हो सकता है खराब

वाशिंग मशीन में जूते धोने से उनका सोल खराब हो सकता है. क्योंकि जूतों के सोल मशीन के ड्रम में लगातार चलने से गड़बड़ हो जाता है. जूते की इनर सोल का कुशन खराब होने के साथ सोल की फिटिंग ढीली हो सकती है और जूते की एड़ी टूट सकती है.

वॉशिंग मशीन में जूते धोते समय इन बातों का रखें ध्यान

वॉशिंग मशीन में जूतों को धोने से पहले जिद्दी दागों को साफ कर लें. इसके लिए सिरका का यूज करें. ऐसा करने से जूते ज्यादा समय तक मशीन में नहीं चलाने पड़ेंगे, जिससे उनके फटने का चांस कम हो जाएगा.

नेट बैग

जूते और लेस को नेट बैग में बांधकर ही मशीन में धोने के लिए डालें. इससे जूते मशीन में टकराकर खराब नहीं होंगे और उनके फंसने के चांस भी कम हो जाएंगे.

जेंडल मोड

वॉशिंग मशीन में जूते धोते समय हमेशा जेंडल मोड को ही सेलेक्ट करें. इस टिप को फॉलो करने से जूते ना तो खराब होते हैं और ना ही वॉशिंग मशीन को नुकसान होता है.

वजन कम करने के लिए खाते हैं ज्यादा फल तो हो जाएं सावधान!

यूं तो फल खाना सभी की सेहत के लिए फायदेमंद होता है. सर्दियों में कई तरह के फल से बाजार गुलजार हो जाते हैं. अधिकांश फलों में शुगर की मात्रा बेहद कम होती है. लेकिन क्या आपको पता है अगर आप ज्यादा मात्रा में फल खाते हैं तो ये आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है. दरअसल फलों में नेचुरल शुगर पाया जाता है, जो सेहत के लिए फायदेमंद तो है, लेकिन इसका ज्यादा मात्रा में सेवन किया जाए तो ये स्वास्थ्य पर विपरीत असर डाल सकता है. आइए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से.

ज्यादा फल खाने से क्या होता है नुकसान?

फलों में फ्रुक्टोज पाया जाता है. अगर ये हमारे शरीर में ज्यादा मात्रा में जाता है तो इससे मोटापा, दांतों में इंफेक्शन और पाचन में गड़बड़ी हो सकती है. इसके साथ ही सूजन, दस्त की समस्या भी हो सकती है.

क्या फल खाने से खराब हो सकते हैं दांत?

फलों में नैचुरल एसिड और शुगर पाया जाता है. इससे दांत खराब हो सकते हैं. फलों में पाए जाने वाले नैचुरल शुगर शरीर में ब्लड शुगर लेवल को बढ़ा सकता है. ज्यादा फल उन लोगों के लिए भी नुकसानदायक है जिन्हें डायबिटीज की बीमारी है. अगर आप वजन घटाने के लिए बहुत ज्यादा फल खा रहे हैं तो इससे फायदे की जगह नुकसान होगा. हेल्दी तरीके से वजन कम करने के लिए आपको केवल फल खाने के बजाय संपूर्ण संतुलित पौष्टिक डाइट लेनी चाहिए. एक्सपर्ट के अनुसार, एक दिन में फलों की केवल 4-5 सर्विंग ही लेनी चाहिए. फलों के साथ-साथ सब्जियां, साबुत अनाज, बीन्स, प्लांट बेस्ड प्रोटन को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए.

पानी-पुरी खाकर फातिमा सना शेख हुई खुश, आर माधवन को कहा थैंक्स

एक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने बताया कि एक्टर आर. माधवन ने उन्हें पानी-पूरी खिलाकर वास्तव में खुश कर दिया।

फातिमा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी और अपनी टीम की एक फोटो शेयर की, जिसमें वह पानी-पूरी की प्लेट का लुत्फ उठा रही हैं।

भारत में आम स्ट्रीट फूड माने जाने वाले इस स्वादिष्ट व्यंजन के लिए माधवन का शुक्रिया अदा करते हुए फातिमा ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, धन्यवाद माधवन पानी-पूरी खिला के दिल खुश कर दिया।

माधवन और फातिमा कथित तौर पर विवेक सोनी द्वारा निर्देशित एक लव स्टोरी में साथ नजर आएंगे। बाकी डिटेल्स को उजागर नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि यह एक अलग किस्म की कहानी है जिसमें एक बुजुर्ग व्यक्ति और एक छोटी महिला एक-दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं।

अन्य खबरों में, फातिमा ने पिछले सप्ताह अपनी सोशल मीडिया उपस्थिति के लिए अपनी एक फोटो शेयर की थी।

उन्होंने एक डीएसएलआर कैमरा पकड़े हुए अपनी एक फोटो शेयर की, जो मिरर सेल्फी जैसी लग रही है। एक्ट्रेस बिना मेकअप के दिख रही हैं और उनके बाल, बीच कर्ल से बने हुए हैं।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, सोशल मीडिया पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के लिए एक फोटो। इसके अलावा, उनके पास अनुराग बसु द्वारा निर्देशित मेट्रो इन डिनो है, जिसमें आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान भी हैं।

यह बसु की पिछली 2007 में रिलीज हुई हिट फिल्म, जिसको रिव्यूवर्स ने हिट करार दिया था लाइफ इन ए... मेट्रो का सीक्वल है। यह फिल्म एक ही समय के कपल की 4 अलग-अलग दिल को छू लेने वाली कहानियों को मिलाकर बनाई गई है। फिल्म का टाइटल लाइफ इन ए... मेट्रो के फेमस गाने इन दिनों से लिया गया है।

एक्ट्रेस के पास नसीरुद्दीन शाह और विजय वर्मा अभिनीत उल जलूल इश्क भी है। फातिमा सी. शंकरन नायर की बायोपिक में अक्षय कुमार के साथ भी दिखाई देंगी। फातिमा सना ने अपने करियर की शुरुआत चाची 420 और वन 2 का 4 फिल्मों में एक चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में की थी। वह नितेश तिवारी की बायोग्राफिकल स्पोर्ट्स फिल्म दंगल में अपने एक्टिंग से प्रसिद्ध हुईं, जिसमें आमिर खान और सान्या मल्होत्रा भी थे।

रिवीलिंग लहंगा पहन नेहा मलिक दिखीं बला की खूबसूरत

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों से इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका हॉटनेस भरा अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक अपनी एक्टिंग से ज्यादा बोल्ड लुक्स के चलते सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं।

शब्द सामर्थ्य -262

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा) 11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे

1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 261 का हल

ग	ल	त				खा	म	खाँ
णे		ल		झ	प	की		
श	र	ब	त		रं			मि
	ज	गा	ना		प	रा	का	ष्ठा
	नी	र		वि	रा	ज	मा	न
ना	च			प			य	
म	र	णा	स	न्न		पा	नी	
ची			प		पा			भो
न	ज	रा	ना		स	मा	चा	र

हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायतों में हितग्राहियों का हुआ सम्मान

बैकुण्ठपुर। कोरिया जिले में कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशानुसार हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान के अंतर्गत दोनों जनपद पंचायतों में हितग्राहियों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। भारत सरकार ग्रामीण विकास मंत्रालय के द्वारा पूरे देश में स्वच्छता स्वभाव, स्वच्छता संस्कार को लेकर एक महती अभियान चलाया जा रहा है जिससे प्रत्येक व्यक्ति के दैनिक व्यवहार में स्वच्छता के मानकों का पालन करना शामिल हो सके। जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि कलेक्टर कोरिया के निर्देशन में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की टीम के द्वारा इसके तहत जिले में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए विविध गतिविधियों को आयोजित किया गया है। जिले में हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान गतिशील है। इसके प्रारंभिक चरण में गांव गांव में जाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया और प्रत्येक ग्राम पंचायत व ग्रामीण विद्यालयों में व्यापक प्रचार व जनजागरूकता के लिए बच्चों की रैली व लेखन, क्विज, वाद विवाद जैसे विविध आयोजन किए गए। साथ ही टीम के द्वारा हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार स्वच्छता के लिए जागरूक

परिवारों को खोजा गया है और ऐसे परिवार जो पूरी तरह से स्वच्छता के मानकों का पालन करते हैं उन्हे गत दिवस जनपद पंचायतों में आहूत कर सम्मान किया गया।

जिला पंचायत सीईओ डॉ चतुर्वेदी ने बताया कि शौचालय के उपयोग को लेकर जागरूक व्यक्तियों को सबसे पहले जिले की कलेक्टर द्वारा उनके घर जाकर सम्मानित किया गया था। इसी अनुक्रम गत दिवस जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर के सभागार में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सौभाग्यवती सिंह ने ग्राम पंचायत नगर की श्रीमती आशा पति रामलखन, ग्राम पंचायत सावांरावां की श्रीमती नीता पति विवेकानंद तथा ग्राम पंचायत गिरजापुर निवासी मिट्ठू लाल को श्रेष्ठ व्यक्तिगत शौचालय के श्रेणी में तथा ग्राम पंचायत नगर व सावांरावां व गिरजापुर को सर्वश्रेष्ठ सामुदायिक शौचालय के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा जनपद पंचायत सोनहत में सवश्रेष्ठ व्यक्तिगत शौचालय के लिए मनोज कुमार निवासी ग्राम पंचायत पोंडी प्रदीप कुमार निवासी ग्राम पंचायत बोडार तथा श्रीराम राजवाड़े निवासी ग्राम पंचायत कछार को सम्मानित किया गया। सवश्रेष्ठ सामुदायिक शौचालय के लिए सोनहत में ग्राम पंचायत कैलाशपुर, ग्राम पंचायत घुघरा को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायतों के प्रतिनिधि व मुख्य कार्यपालन अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मंत्री के प्रयासों से विकास कार्यों के लिए 2 करोड़ रूपए की मिली मंजूरी

कोरिया बैकुंठपुर। मनेंद्रगढ़ के स्थानीय विधायक एवं राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयासों से मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 14 विकास कार्यों के लिए 02 करोड़ रूपए की मंजूरी मिली है। राज्य शासन के अधोसंरचना विकास एवं पर्यावरण उपकर निधि से जिले को 2 करोड़ रूपए के विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

इस आशय के संबंध में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने आदेश भी जारी कर दिया है। स्वीकृत कार्यों में चिरमिरी विकासखंड/ जनपद पंचायत के आमानाला दफाई उड़िया तुर्रा के ऊपर सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रूपए की स्वीकृति, हल्दीबाड़ी हीरागिरी दफाई रामू मेस के पास सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 20 लाख रूपए की स्वीकृति, वार्ड 18 के ईंट्टा भट्टा में बैंकर के पास सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 20 लाख रूपए की स्वीकृति, बगनच्चा दफाई में हनुमान मंदिर के पास सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रूपए की स्वीकृति, नागेश्वर काली मंदिर के पास गोदरीपारा में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 20 लाख रूपए की स्वीकृति, भोदरीपारा के पास सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 20 लाख रूपए की स्वीकृति प्रदान की गई। इसी प्रकार चिरमिरी विकासखंड/ जनपद पंचायत के ही डोमनहिल (लक्ष्मीनारायण क्लब के पास) सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रूपए की स्वीकृति, डोमनहिल (लक्ष्मीनारायण क्लब के पास) डोमनहिल उड़िया दफाई में नील वक्र विद्यापीठ के पास सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रूपए की स्वीकृति तथा पोड़ी पेट्रोल पंप के पास शिवमंदिर के पास सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रूपए की स्वीकृति प्रदान की गयी है। स्वीकृत कार्यों में खड़गंवा विकासखंड/ जनपद पंचायत के ग्राम रतनपुर में सामुदायिक भवन के ऊपर अतिरिक्त सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 20 लाख रूपए की स्वीकृति तथा कटकोना के नेवारी बहरा रोड में घोड़ापाट नाला में आरसीसी पुलिया निर्माण के लिए 10 लाख रूपए की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इसी क्रम में मनेन्द्रगढ़ विकासखंड/ जनपद पंचायत के चैनपुर वनवासी कल्याण आश्रम के पास सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रूपए की स्वीकृति, वार्ड नंबर 2 में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रूपए की स्वीकृति, चैनपुर के जायसवाल समाज के पास सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 20 लाख रूपए की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

ब्लड डोनेशन शिविर का आयोजन, 27 यूनिट रक्तदान किया गया

कोरिया। सरकार गठन के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले सहित विभिन्न स्थानों पर जनहितकारी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में कोरिया कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशन में आज शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में ब्लड डोनेशन शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कॉलेज के शिक्षकों, छात्र-छात्राओं और अन्य कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अब तक 27 यूनिट रक्तदान किया जा चुका है और यह प्रक्रिया निरंतर जारी है। रक्तदाताओं को सम्मानित करने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रशांत सिंह, सिविल सर्जन डॉ. आयुष जायसवाल और जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री अशरफ अंसारी ने उन्हें सर्टिफिकेट प्रदान कर उनके प्रयासों की सराहना की। जिले में सरकार की जनहितकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से 9 दिसंबर से 20 दिसंबर 2024 तक विभिन्न विकासखंडों में गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इनमें ब्लड डोनेशन शिविर, हेल्थ कैंप, मितानिन सम्मेलन और योजनाओं की जानकारी देने के लिए विशेष कार्यक्रम शामिल हैं। आज के कार्यक्रम में रेड क्रॉस सोसायटी, जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम और पॉलिटेक्निक कॉलेज के सभी शिक्षक-छात्रगण मौजूद रहे। इस आयोजन ने न केवल रक्तदान की महत्ता को उजागर किया, बल्कि जनसेवा और जागरूकता को भी बढ़ावा दियझं

जनसमस्या निवारण शिविरों में प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण करें: सीईओ डॉ चतुर्वेदी

धान निर्बाध रूप से खरीदें किसानों को परेशानी न हो

कोरिया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभागों की समीक्षा की। डॉ चतुर्वेदी ने कहा धान खरीदी केंद्रों में नोडल अधिकारियों को हर शनिवार ऑनलाइन अपडेट करने तथा धान खरीदी केंद्रों में विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं।

सीईओ ने कहा है कि किसानों को खरीदी केंद्रो में किसी तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े इसके लिए विशेष ध्यान रखें। धान खरीदी केन्द्रों में पर्याप्त हमाल, मजदूर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभाग को निर्देश दिये। किसी भी केन्द्रों में किसानों से पैसे मांगने पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। वहीं बदलते मौसम का ध्यान में रखते हुए पर्याप्त तिरपाल आदि की व्यवस्था करें। उन्होंने अवैध धान, परिवहन, भण्डारण पर निगरानी रखने के तथा इनके खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए हैं।

डॉ चतुर्वेदी ने राजस्व अधिकारियों से बटवारा, नामांतरण, फौती सहित अन्य राजस्व प्रकरणों के निराकरण की जानकारी ली। उन्होंने जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविरों में प्राप्त आवेदनों का निराकरण करने के लिए एसडीएम, तहसीलदार को स्पष्ट निर्देश दिए। डॉ चतुर्वेदी ने बैठक में जनदर्शन, पीजी पोर्टल एवं जन शिकायत पोर्टल एवं जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविरों में प्राप्त आवेदनों का समय पर निराकरण कर सम्बंधित आवेदकों को जानकारी देने को कहा। आज जनदर्शन में विभिन्न मांगों व समस्याओं को लेकर 19 आवेदकों ने सीईओ के समक्ष आवेदन दी। सभी आवेदनों को तत्काल सम्बंधित अधिकारियों परीक्षण कर समय-सीमा के भीतर निराकरण करने के लिए प्रेषित किए। जिला शिक्षा अधिकारी एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों से जाति-निवास प्रमाण पत्र के संबंध में सीईओ ने जानकारी ली। उन्होंने इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

आंगनबाड़ी केन्द्रो में आने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र समय पर देने एवं दस्तावेज की कमी होने पर उनके पालको से सम्पर्क कर प्रमाण पत्र बनाने के निर्देश दिये। जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए सीईओ डॉ. चतुर्वेदी ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी को लक्ष्य के अनुरूप समय पर कार्य करने हेतु कड़े निर्देश दिये है। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल के अधिकारी को जिले में पीएम सूर्य घर योजना का ज्यादा से ज्यादा लोगो को इसके लाभ दिलाने के लिए प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिये। बैठक अपर कलेक्टर विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

श्यामपति का जीवन, अब बेटे की देखभाल में है नया उत्साह

कोरिया। पटना थाना के ग्राम जमगहना निवासी श्रीमती श्यामपति, जो पहले अपने बेटे की देखभाल में आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रही थीं, अब महतारी वंदन योजना से प्राप्त मदद से अपने जीवन में बदलाव महसूस कर रही हैं। इस योजना के तहत उन्हें हर माह एक हजार रुपये मिल रहे हैं, जिससे उनकी कई मुश्किलें हल हो गईं। पहले आर्थिक संकट के कारण श्रीमती श्यामपति अपने बेटे के लिए पौष्टिक फल, मालिश के लिए तेल और खुद के लिए श्रृंगार सामग्री नहीं खरीद पाती थीं। लेकिन अब उन्हें हर माह एक हजार रुपये की राशि मिल रही है, जिससे वह न केवल अपने बेटे के लिए आवश्यक फल और आहार खरीद रही हैं, बल्कि खुद के लिए श्रृंगार सामग्री भी ले पा रही हैं। इसके साथ ही, वह राशन सामग्री और तेल जैसे घरेलू सामान की खरीदारी में भी इस राशि का उपयोग कर रही हैं।

महतारी वन्दन योजना से धनमत की जिंदगी में लौटी रौशनी

कोरिया। कोरिया जिले के पटना तहसील के ग्राम हतबन्ध की रहने वाली श्रीमती धनमत बाई का जीवन हमेशा से संघर्षों से भरा रहा। परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी खराब थी कि दिनभर मजदूरी और बाजार में सरई पान बेचने के बाद भी घर चलाना मुश्किल था। कभी बच्चों के लिए खिलौने खरीदने की इच्छा अधूरी रह जाती, तो कभी सब्जी, राशन सामग्री खरीदने में परेशानी होती। धनमत बाई के चेहरे पर संघर्ष की लकीरें साफ झलकती है, लेकिन उनकी आत्मशक्ति कभी कमजोर नहीं पड़ी। वे जानती थीं कि उम्मीद का एक दीपक पूरे अंधकार को मिटा सकता है। ऐसे समय में महतारी वन्दन योजना उनके लिए वरदान बनकर आई। धनमत बाई को इस योजना के तहत हर महीने आर्थिक सहायता मिलने लगी। इस राशि ने उनके जीवन में एक बड़ा बदलाव लाया। उन्होंने कहा, यह मदद मेरे परिवार के लिए काफी लाभप्रद होने लगा है। अब मैं अपने नाती-पोतों को खिलौने खरीदकर उनकी खुशियां देख सकती हूं और घर का खर्च भी चला सकती हूं। अब धनमत बाई का आर्थिक स्थिति पहले से कुछ बेहतर हुआ है। उनके नाती-पोते खिलौनों के साथ खेलते हैं और घर में पहले की तुलना में ज्यादा खुशियां हैं। यह बदलाव केवल एक योजना का परिणाम नहीं, बल्कि सरकार के गरीबों के जीवन में बदलाव लाने की सोच का प्रमाण है। श्रीमती धनमत बाई, विष्णुदेव साय सरकार को दिल से धन्यवाद देती हैं। उन्होंने कहा, ष्इस योजना ने हमें न केवल आर्थिक मदद दी, बल्कि हमारे आत्मविश्वास को भी बढ़ाया है। महतारी वन्दन योजना ने साबित कर दिया कि सही समय पर सही मदद किसी के जीवन को पूरी तरह बदल सकती है।

परीक्षाओं के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

रामानुजगंज। शासकीय लरंगसाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामानुजगंज में प्रतियोगी परीक्षा व सीजीपीएससी के लिए छात्रहित को ध्यान में रखते हुए करियर मार्गदर्शन पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न संकाय के विद्यार्थियों द्वारा अपने करियर से संबन्धित समस्याओं पर मार्गदर्शन प्राप्त किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता छ. ग. राज्य सिविल सेवा परीक्षा 2024 में राज्य कर निरिक्षक पद पर चयनीत पंकज कुमार यादव के द्वारा महत्वपूर्ण बिन्दुओं जैसे-लक्ष्य निर्धारण, छ.ग. पीएससी प्रारंभिक व मुख्य परीक्षा पाठ्यक्रम, तैयारी कब व कैसे करें। तैयारी के दौरान विषम परिस्थितियों का सामना कैसे करें, पर मार्गदर्शन दिया गया, साथ ही अपने तैयारी के दिनों व तीन बार इंटरव्यू तक पहुंच कर सफलता प्राप्त करने तक का अनुभव साझा कर विद्यार्थीयों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर कुछ कर दिखाने का जुनुन पैदा किया गया। इस एक दिवसीय कार्यशाला में महाविद्यालय के वरिष्ठ सहा. प्राध्यापक डॉ आर बी सोनवानी, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रभारी प्राचार्य सहा प्राध्यापक शनि कुमार धारी, रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी सहा प्राध्यापक रमेश कुमार खैरवार , प्रभारी सहा. प्राध्यापक योगेश कुमार एवं अतिथि व्याख्याताओं द्वारा विद्यार्थीयों के करियर संबंधित विभिन्न क्षेत्रों पर अपना मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम का समापन, कार्यक्रम के संयोजक सहा0 प्राध्यापक एस.बी.यादव द्वारा महाविद्यालय परिवार की ओर से मुख्य वक्ता पंकज कुमार यादव को शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर तथा सभी का आभार व्यक्त कर किया गया।

85 क्विंटल अवैध धान जब्त प्रशासन की सख्त कार्रवाई

कोरिया। पटना तहसील के ग्राम मुरमा में राजस्व विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 76 क्विंटल अवैध धान जब्त किया। यह कार्रवाई कोचिया पूरन, पिता जगसाय के यहां की गई, जहां भौतिक सत्यापन के दौरान अवैध धान का संग्रहण पाया गया। तहसीलदार श्री प्रतीक जायसवाल, राजस्व निरीक्षक और पटवारी की मौजूदगी में यह कार्रवाई पूरी पारदर्शिता के साथ की गई। अधिकारियों ने बताया कि अवैध धान संग्रहण पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और दोषियों को कानून के अनुसार दंडित किया जाएगा। जूनपारा में स्थित विवेक गुप्ता के व्यावसायिक प्रतिष्ठान पर मंडी प्रशासन द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। जांच में लगभग 9 क्विंटल अवैध धान पाया गया। भंडारण से जुड़े दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर मंडी अधिनियम के तहत धान को जप्त कर लिया गया। इस कार्रवाई को किसानों के अधिकारों की रक्षा और अवैध व्यापार पर अंकुश लगाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अवैध गतिविधियों की सूचना तुरंत संबंधित विभाग को दें ताकि समय पर कार्रवाई हो सके।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सेवानिवृत्त सैनिकों और उनके परिवारों का हुआ सम्मान

कोरिया। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सशस्त्र सेना झंडा दिवस का आयोजन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार, अतिरिक्त दंडाधिकारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ लेपन पिन लगाकर किया गया। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण कार्यालय द्वारा भूतपूर्व सैनिकों, सैनिक विधवाओं, सेवारत सैनिकों और उनके आश्रितों को ध्वज लगाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी और नागरिक शामिल हुए। विशेष रूप से, पूर्व सैनिक स्वर्गीय सी मैन राघवेन्द्र रामावत की पत्नी श्रीमती वनिता रामावत को उनके गृह निवास पर जाकर जिला सैन्य अधिकारी द्वारा शाल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। बता दें सशस्त्र सेना झंडा दिवस का मुख्य उद्देश्य जनता को देश की सुरक्षा और सैनिकों के योगदान के प्रति जागरूक करना है।

रीलबाज बदमाशों की 'रील' बना रही पुलिस आईपी एड्रेस से लोकेशन कर रही ट्रेस

रायपुर। इंटरनेट मीडिया में जब से रील बनाने का चलन शुरू हुआ है, इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर हर वर्ग के लोग रील बनाकर डाल रहे हैं। इसमें बदमाश भी पीछे नहीं हैं।

लोगों के बीच अपना दबदबा कायम रखने पिस्टल, चाकू के साथ बदमाश अपनी रील बनाते हैं। इतना ही नहीं खुद को शहर को बादशाह बताने वाली रील बनाकर इंस्टाग्राम सहित अन्य इंटरनेट मीडिया में पोस्ट कर रहे हैं। इससे लोगों में भय का माहौल न बने, इसके लिए पुलिस भी अब बदमाशों की पतासाजी कर उन्हें पकड़कर उनकी रील बनाकर पोस्ट कर रही है। एसएसपी के अनुसार, साइबर सेल की विशेष शाखा इंटरनेट मीडिया में खुद को डॉन और बादशाह साबित करने वाले बदमाशों पर निगरानी रखने का काम कर रही है। बदमाशों की आईपी एड्रेस के माध्यम से पहचान कर कार्रवाई की जा रही है। गलत तरीके से रील बनाकर पोस्ट करने वाले बदमाशों के अब तक 35 से ज्यादा अकाउंट को ब्लाक कराया गया है। इनमें कई नाबालिग बदमाश हैं, जिनके पुलिस ने अकाउंट ब्लॉक किए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से कई बदमाश डरने लगे हैं। रील बनाने वाले साथियों के हश्र देख इंटरनेट मीडिया में एक्टिव रहने वाले बदमाश सहम गए हैं। कार्रवाई से बचने दो दर्जन से ज्यादा बदमाशों द्वारा अपने इंटरनेट अकाउंट बंद किए जाने की जानकारी पुलिस को मिली है। जिन बदमाशों ने इंटरनेट मीडिया में ऊलजुलूल पोस्ट किया है, ऐसे बदमाशों का पुलिस उनके नाई से बाल कटवाकर अपने इंटरनेट मीडिया में पोस्ट करने का काम कर रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से बदमाश डर गए हैं। इंटरनेट मीडिया में अपने आपको दादा बताने वाले बदमाशों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। बदमाशों के अकाउंट भी बंद कराए गए हैं। बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई करने नियमित अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी। उलजुलूल पोस्ट करने वाले अब तक जिन बदमाशों की पहचान कर कार्रवाई की गई है, उन बदमाशों को सबक सिखाने का पुलिस काम कर रही है। इसके लिए पुलिस उनकी ही रील में मिक्स रील कर उन्हें सबक सिखा रही है। उलजुलूल पोस्ट करने वाले अब तक जिन बदमाशों की पहचान कर कार्रवाई की गई है, उन बदमाशों को सबक सिखाने का पुलिस काम कर रही है।

कोयला घोटाले में पीएल पुनिया भी थे कांग्रेस की बैठक में बोल पड़े नेता-कार्यकर्ता

अंबिकापुर। नगरीय निकाय, और पंचायत चुनाव की तैयारी बैठक में सोमवार को कांग्रेस नेताओं का गुस्सा फ्ट पड़ा। नगर निगम के सभापति अजय अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी, तब पार्टी कार्यकर्ताओं को अपमानित किया जाता था।

एक उम्मीद, एक आशियाना: श्रीमती श्यामबाई की नई शुरुआत

कोरिया। सलबा ग्राम पंचायत की निवासी श्रीमती श्यामबाई, एक वृद्ध विधवा, जीवन के संघर्षों से जूझते हुए अकेलेपन में अपना समय व्यतीत कर रही थीं। उनका पुराना मकान जर्जर स्थिति में था, जहां बारिश के मौसम में दीवारें गिरने का डर और सांप-बिच्छुओं का खतरा हर पल मंडराता रहता था। सीमित आय और कोई स्थायी सहारा न होने के कारण उनका जीवन अंधकारमय था। लेकिन उनकी जिंदगी में उम्मीद की एक नई किरण तब जगी जब प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत उनका नाम स्वीकृत हुआ। सरकारी योजना के तहत उन्हें एक लाख 30 हजार रुपये की सहायता राशि चार किस्तों में प्रदान की गई। यह राशि सीधे उनके बैंक खाते में भेजी गई, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। जिले, जनपद और ग्राम पंचायत के अधिकारियों के सहयोग और मार्गदर्शन से श्रीमती श्यामबाई ने पक्का मकान बनाने का कार्य समय-सीमा के भीतर पूरा कर लिया। नए घर के साथ, उन्हें मनरेगा योजना के तहत 95 दिनों की मजदूरी भी प्राप्त हुई, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में थोड़ी स्थिरता आई। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत उन्हें शौचालय मिला और उज्ज्वला योजना से गैस कनेक्शन भी प्रदान किया गया।

महतो की गुमटी से चाय की चुस्कियों के बीच सुबह होती है शुरू

रामानुजगंज। सर्दी में चाय का नाम सुनते ही एक अलग ताजगी, आनंद,उत्साह का संचार होने लगता है। चाय के शौकिनों के लिए दूध की कड़क चाय तो सचमुच संजीवनी शक्ति का काम करती है। इस चाय की चुस्कियों के साथ आज हम आपको एक एक ऐसे बुजुर्ग दंपति की दास्तान बताने जा रहे हैं जिनकी उम्र लगभग 80 के आसपास है। रामानुजगंज रोड में स्थित गोपाल फ्यूल के पीछे निवासरत विक्रम महतो और उनकी पत्नी मीरा कुशवाहा विगत 30 वर्षों से चोरपहरी में बाटुल की दुकान में सुबह शाम चाय की चुस्कियां लेते आपको नजर आएंगे। प्रतिदिन चाहे वह कड़कड़ाती ठंड हो, मूसलाधार बारिश का समय हो या फिर चिल्लाती धूप हो,प्रत्येक दिन यह बुजुर्ग दंपति चाय पीने के लिए बाटुल की दुकान में जरूर पहुंचते हैं।

आप जानते हैं कि वर्तमान में चाय की सामान्य कीमत 10 प्रति कप है लेकिन इनको 5 प्रति कप के हिसाब से चाय मिल जाती है।अपने घर से चाय की दुकान लगभग 2 किलोमीटर की दूरी पर है सड़कें भी जर्जर हैं उसके बावजूद भी ये दोनों साइकिल में सवार होकर विक्रम महतो पैदल चलते हुए साइकिल का हैंडल थामे अपनी पत्नी को पीछे बैठाकर भारी भरकम ट्रकों के बगल से होते हुए चाय पीने जरूर आते हैं। वर्तमान समय में बुलेट में सवार होकर या फॉर्च्यूनर में बैठ करके भी ऐसा आनंद पाना असंभव है। वर्तमान समय में जहां शादी के पूर्व ही या शादी के बाद या शादी के कुछ वर्षों के बाद पति-पत्नी के रिश्तों में जिस तरह से बिखराव देखने को मिल रहा है,रिश्ते जिस तरह से भरभराकर गिर रहे हैं, ऐसे समय में इन बुजुर्ग दंपतियों की दास्तान और यह दृश्य बिना कुछ कहे बहुत कुछ बयान करता है। शिक्षक आशीष गुप्ता बताते हैं कि मैं भंवरमाल में पढ़ता हूं कई वर्षों से देख रहा हूं कि वह चाय पीने बाटुल बुजुर्ग दंपति आते हैं। निजी शैक्षणिक संस्था के संचालक एमडी हाशमी बताते हैं कि बीते दो दशक से अधिक समय से बुजुर्ग दंपति को चाय पीने बाटुल आते देखते आ रहा हूं।

जर्जर सड़क,उड़ती धूल, चलती बड़ी गाड़ियां नहीं कर पाती बुजुर्ग दंपति का उत्साह कम चेहरे पर मुस्कान लिए प्रतिदिन बुजुर्ग दंपति साइकिल से चाय पीने आते हैं उनके उत्साह को कभी भी जर्जर सड़क, उड़ती धूल चलती बड़ी गाड़ियां एवं सड़क का उतार चढ़ाव कम नहीं कर पाय। बैठ के चला नहीं पाते साइकिल पैदल लाते हैं चाय पिलाने बुजुर्ग पति की ऐसी शारीरिक स्थिति नहीं है कि बुजुर्ग पत्नी को बैठाकर साइकिल पर चलाते हुए चाय पिलाने ला सके पर जिस कारण में पत्नी को साइकिल में पीछे करियर पर बैठकर धीरे-धीरे चाय पिलाने पैदल साईकिल लाते है।

अटूट प्रेम के आगे नतमस्तक तक है चायवाला 10 की जगह 5 लेता है बुजुर्ग दंपति से बुजुर्ग दंपति का ऐसा अटूट प्रेम है कि इसके आगे चाय दुकानदार भी नतमस्तक है सभी को जहां चाय10 कब देते हैं वही दंपति को 5 कब की चाय पिलाते हैं। नवदंपतियों के लिए हैं प्रेरणास्त्रोत जो छोटी-छोटी बातों में लड़ने झगड़ने लगते हैं। बुजुर्ग दंपति उन सभी नव दंपतियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है जो छोटी-छोटी बातों में लड़ने झगड़ने लगते हैं परंतु दोनों में ऐसा अटूट प्रेम की कठिन से कठिन काम दोनों के लिए सरल हो जाता है। उन्हें अपनी पत्नी को साइकिल में बैठाकर पैदल आने में कभी कठिनाई महसूस नहीं हुई चाहे बरसात हो रही हो भीषण गर्मी हो या ठंड हो। चेहरे पर हमेशा रहती है मुस्कान एवं उत्साह बुजुर्ग दंपति का प्रेम बाटुल में चाय पीने आने वाले लोगों के लिए चर्चा का विषय बना रहता है वहां सुबह से लेकर शाम तक कोई कोई दो चक्का एवं चार चक्का वाहन से आते रहते हैं परंतु सबसे अधिक चर्चा बुजुर्ग दंपति की ही होती है जिनके चेहरे पर हमेशा उत्साह एवं मुस्कान बना रहता है। लड़खड़ाते पैरों से पत्नी का बोझ उठाते देख हो जाती है लोगों की आंखें नम बुजुर्ग पति की उम्र 80 वर्ष से अधिक है बीच में तबीयत भी खराब हुआ था परंतु उसके बाद भी वह अपने लड़खड़ाते पैर जिससे चलना भी मुश्किल होता है परंतु इसके बाद भी अपनी पत्नी का बोझ उठाकर चलते हैं जिसे देखकर देखने वालों की आंखें नम हो जाती है।

500 करोड़ से ऊपर जा सकता है फ्लोरा मैक्स का कारनामा

जो कर्जदार बने, उन्हें कंपनी से मिलवाने का काम किया कुछ एफएलसीपी और पीआरपी ने

-नगर संवाददाता-

कोरबा। कोरबा जिले की चर्चा पिछले लगभग 1 महीने से इस बात को लेकर हो रही है कि यहां पर फ्लोरा मैक्स कंपनी ने आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए महिलाओं के स्व सहायता समूहों को अपने जाल में फसाया और फिर उनके नाम से भारी भरकम लोन माइक्रोफाइनेंस कंपनियों से उठा लिया। अब तक के खुलासे में डेढ़ सौ करोड़ से ज्यादा की गड़बड़ी की खबर है लेकिन दावा किया जा रहा है कि यह आंकड़ा 500 करोड़ से भी ऊपर का हो सकता है। खबर है कि इस मामले में कंपनी के चंगुल में जो लोग फंसे उन्हें यहां तक लाने और आगे की प्रक्रिया बताने के मामले में कई एफएलसीपी और पीआरपी ने अपनी खास भूमिका निभाई। जल्द ही इन पर भी शिकंजा कसा जा सकता है। जबकि कंपनी के डायरेक्टर अखिलेश सिंह सहित 20 से ज्यादा टॉप लीडर्स इस समय जेल में हैं।

फ्लोरा मैक्स के द्वारा किए गए धोखाधड़ी के मामले में छत्तीसगढ़ के साथ-साथ देशभर में सुर्खियां बटोरी है। कुछ ही समय पहले यह कंपनी प्रारंभ हुई और इसने अपने तरीके से शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में अपने पैर पसारते हुए केवल महिलाओं पर फोकस किया। सामान्य रूप से कुछ गतिविधियों की शुरुआत करते हुए महिलाओं का सहारा दिया और उनके जरिए यह संदेश आगे तक भिजवाया कि किस प्रकार से वह प्रॉब्ल का सहारा दिया और उनके जरिए यह संदेश आगे तक भिजवाया कि किस प्रकार से वह स्वावलंबी हो सकती है और कुछ ही समय में धनवान हो सकती है । इस बात को फैलाने के लिए कंपनी ने अलग-अलग तरीके से ऐसी महिलाओं और पुरुष एजेंट को अपने साथ लिया जो बड़ी आसानी से दूसरों को फसाने में सफल हो सकते हैं। आजीविका मिशन के अंतर्गत लोगों को जिस प्रकार से मजबूती देने का काम किया जा रहा है। कहीं-कहीं इसका नाम लेकर भी लोगों को अपने जाल में फसाने की काफी अच्छी कोशिश की गई जो सफल रही। जानकारी के अनुसार फ्लोर मैक्स की इस हेरा फेरी को लेकर लगातार नए तथ्य सामने आ रहे हैं। तरुण छत्तीसगढ़ को प्राप्त जानकारी में बताया गया है कि कोरबा जिले में फ्लोर से कई समूह और महिलाओं को मिलवाने और उन्हें माइक्रो फाइनेंस कंपनियों से कर्ज दिलवाने के साथ कर्जदार बनाने में अहम भूमिका कई लोगों ने निभाई। इनमें एफएलसीपी फाइनेंशियल लिटरेसी कम्युनिटी पर्सन के साथ-साथ पीआरपी भी शामिल बताए जा रहे हैं। इन लोगों का संबंध आजीविका मिशन से संबंधित गतिविधियों के बारे में ग्रामीणों को अवगत कराने और उससे लाभ दिलाने का है लेकिन उन्होंने गलत तरीके से लोगों को फसाने में ऊर्जा लगाई। फ्लोरा के कारनामे के साथ नई चीज सामने आने से सवाल खड़ा हो रहा है कि अब कंपनी के डायरेक्टर और टॉप लीडर्स के अलावा अब नए अनुसंधान में और भी संदेही नप सकते हैं।

प्रशासन से शिकायत करने पहुंची पीड़ित महिलाएं। -फाइल फोटो

इतना पैसा कहां से आया माइक्रोफाइनेंस के पास

इस पूरे मामले में सबसे अहम सवाल यह उठ रहा है कि कोरबा जिले में काम कर रही 15 से ज्यादा माइक्रोफाइनेंस कंपनियों आखिर एकाएक इतनी धनवान कैसे हो गई कि उन्होंने करोड़ों की रकम यहां की महिलाओं को दिन या सप्ताह में नहीं बल्कि कुछ मिनट और घंटे में ही आवंटित कर दी। विभिन्न क्षेत्रों में फैली हुई इन माइक्रो फाइनेंस कंपनियों के अलावा किसी भी सरकारी अथवा निजी बैंक के द्वारा इस मामले में पीड़ित महिलाओं को धनराशि उपलब्ध कराने की अब तक कोई सूचना नहीं है। खबर के अनुसार फ्लोर मैक्स से संबंधित महिलाओं के मामले में उन्हें नोटिस देने के साथ-साथ वसूली के लिए हड़बड़ी करने का काम माइक्रो फाइनेंस कंपनी के एजेंसी कर रहे है। पूरे मामले में अलग-अलग स्तर से सवाल उठाए जा रहे हैं कि आखिर माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के पास कुबेर का खजाना कहां से हाथ लग गया कि उन्होंने सैकड़ो करोड़ की राशि यूं ही उपलब्ध करा दी।

सीएम तक जाएगा मामला

12 दिसंबर को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कोरबा जिले के प्रवास पर आ रहे हैं। फ्लोरमैक्स से संबंधित मामला जब सुर्खियों पर है और लगातार पीड़ित लोग इस बारे में प्रशासन के साथ-साथ पुलिस के पास शिकायत कर रहे हैं तब ऐसे में यह बात ऊपर तक जाना स्वाभाविक है। पता चला है कि बड़ी संख्या में पीड़ित लोग इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री से मिलने की मानसिकता में है। इस दौरान कई प्रकार की चीज सामने आ सकती हैं और प्रकरण में जांच की मांग हो सकती है।

खुदकुशी और अवसाद के मामलों में बढ़ोतरी

जिले में अब तक का यह संभवत पहला मामला है जिसमें किसी कंपनी में जुड़ने के बाद सैकड़ो लोग खुशहाल भले ही ना हुए हैं लेकिन उनके सामने अब आत्मघाती कदम उठाने का ही रास्ता बच गया है। फ्लोरमैक्स के चक्कर में परेशान होकर खुदकुशी की घटनाएं बढ़ गई है। बार-बार तकादे और संबंधित लोगों के द्वारा रकम के लिए दबाव डालें जाने से की पर्सन अवसाद के घेरे में पहुंच गए हैं।

एक मंडल अध्यक्ष की भी भूमिका संदिग्ध

सूचना मिली है कि कोरबा जिले के कोरबा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले एक मंडल में सत्ताधारी पार्टी के अध्यक्ष और उसकी पत्नी के द्वारा भी 300 से अधिक लोगों को फ्लोरा के चक्कर में फसाया गया और उनके नाम से मोटी रकम प्राप्त की गई। इसकी खबर ग्रामीण क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कई इलाकों में तेजी पर है और लोग अपने साथ हुए कारनामे के बारे में प्रशासन और उच्च अधिकारियों तक बात पहुंचाने की मानसिकता में है।

सीएम कल आएंगे, एडवाइजरी जारी की पुलिस विभाग ने

सीएसईबी मैदान में हो रही तैयारी

कोरबा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अरसे बाद कोरबा जिले के प्रवास पर आ रहे हैं। वे सीएसईबी खेल मैदान में 625 करोड़ के कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण करेंगे। उनके कार्यक्रम में शामिल होने वाले नागरिकों को कई प्रकार की सावधानी बरतनी होगी। वर्जित चीजों को लाने पर लोगों को भीतर प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। कहा गया है कि लोगों को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कई चीजों को ध्यान रखना होगा। वे अपने साथ पान की बोतल, कोलड्रिंग्स बोतल, टिफिन डिब्बा, बोतलबंद खाद्य सामान नहीं ला सकेंगे। लाइटर, छाता, कैमरा, हैंडीकैम, तंबाकू से बनी चीजें, बाइना क्यूलर पर भी रोक लगाई गई है। पुलिस ने कहा है कि हथौड़ा, ड्रील, आरी, पेचकश, चाकू, छुरी, ब्लेड, नेलकटर, पिन, फायर आर्म्स, नकली बंदूक, पटाखे भी प्रतिबंधित किए गए हैं। ज्वलनशील पदार्थ भी वर्जित हैं।

खबर के मुताबिक मुख्यमंत्री की उपस्थिति में इस कार्यक्रम में महिला बाल विकास विभाग की देखरेख में 101 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न कराया जाएगा। इसके लिए सभी 10 परियोजना स्तर पर आवश्यक प्रक्रियाएं की गई है।

जीवन के रहस्य के बारे में मंथन हुआ गीता जयंती पर

कोरबा। गीता जयंती पर बुधवार को यहां के कई शैक्षणिक संस्थाओं के साथ-साथ मंदिरों में कार्यक्रम किए गए । यह सभी गीता के ज्ञान पर केंद्रित थे । इनके मर्मों को समझने के लिए काफी संख्या में जिज्ञासु लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

मोक्षदा एकादशी पर गीता जयंती मनाने की परंपरा उस कालखंड से है जब कुरुक्षेत्र की धरती पर महाभारत का युद्ध हुआ था। मान्यताओं के अनुसार भगवान श्री कृष्ण ने गीता जयंती को ही अर्जुन को जीवन के बड़े रहस्य के बारे में उपदेश दिए थे। जीवन में अच्छा क्या है और गलत क्या है इस पर दिव्य ज्ञान दिए जाने के बाद ही अर्जुन ने समझा कि उनके लिए सही रास्ता क्या है। ऐसे ही उपयोगी चीज श्रीमद् भागवत गीता में उल्लेखित है। अगहन शुक्ल पक्ष के एकादशी को वैदिक परंपरा का अनुगमन करने वाली स्थानीय शैक्षणिक संस्थाओं के साथ-साथ मंदिरों में आयोजन किए गए। आचार्य और शिक्षकों के द्वारा इस अवसर पर श्रीमद् भागवत गीता के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई और कहा गया कि इन सूत्रों का अनुसरण करने से हम सभी अपने जीवन को बेहतर कर सकते हैं। इस अवसर पर कई प्रतियोगिताएं भी सामाजिक संगठनों की ओर से की गई जिनमें विद्यार्थियों ने अपने ज्ञान का प्रदर्शन किया।

आवास की समस्या को निपटाने का प्रयास

कोरबा। एसईसीएल गेवरा प्रयोजना में आवास की समस्या ज्वलत की समस्या बनी हुई है। अधिकारी व यूनियन प्रतिनिधि समस्यओं को निपटाने का प्रयास करते रहे है। कल हाउसिंग कमेटी की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में उपस्थित रेशम लाल यादव, दीपक उपाध्याय , गोपाल यादव,धर्म सिंह कंवर कुलदीप कुमार, जनाराम कर्ष ने अपनी बात रखते हुए कहा कि गेवरा परियोजना में उत्पादन को सबसे अधिक महत्व दिया जाता है। इसके लिए बाहर से आए कामगारों को आवास दिए जाने की जरूरत है।

धान खरीदी का पूरा मूल्य देने सहित कई मुद्दों को लेकर युकां का प्रदर्शन

कोरबा। युवक कांग्रेस ने आज पोड़ी उपरोड़ा तहसील कार्यालय के सामने प्रदर्शन करने के साथ अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। पर्याप्त संख्या में संगठन के कार्यकर्ता इसमें शामिल हुए।

ब्लॉक अध्यक्ष अंकित पाल के नेतृत्व में यह प्रदर्शन हुआ। संगठन के जिलाध्यक्ष विकास सिंह और अन्य कार्यकर्ताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रदेश युवक कांग्रेस के निर्देश पर सभी विकासखंड में इस प्रकार के प्रदर्शन करने की व्यवस्था की गई। बताया गया कि धान उपार्जन केंद्रों में बनी हुई व्यवस्था को दूर करने, किसानों को उनकी उपज का पूरा मूल्य एकमुश्त देने, पोड़ी उपरोड़ा सीएचसी में सोनोग्राफी टेक्निशियन की भर्ती करने के अलावा कई और मांगों को धरना में शामिल किया गया। क्षेत्रीय समस्याओं का निराकरण करने के लिए भी संगठन ने दबाव बनाया। युवक कांग्रेस ने प्रदर्शन के अंतर्गत स्थानीय प्रशासन को ज्ञापन सौंपा और कहा कि इस दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। दोहराया गया कि सभी मांगें व्यापक जनहित से जुड़ी हुई है इसलिए इस तरफ संज्ञान लेना चाहिए जिससे कि लोगों को सहूलियत हो।

भाजपा चुनाव : कुछ मंडलों में सहमति बनाने की कोशिश

कोरबा। भाजपा का संगठन चुनाव चल रहा है। आज से मंडलो में अध्यक्ष पद के लिए समिति बनाने का प्रयास किया जाएगा। अधिक नाम आने पर सूची को हाईकमान के पास भेज दिया जाएगा। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कटघोरा मंडल में चुनाव अधिकारी जोगेश लांबा आज जाएगें। यहां पर मंडल अध्यक्ष पद के लिए अभिषेक गर्ग, मनोज नायडू, डाकेश्वर शुक्ला, शमजीत सिंह सहित सुनील खांडे के नाम सामने आ रहे है। बैठक में जीतने भी नाम आएगे। उन पर चर्चा करते हुए समिति बनाई जाएगी। इसी तरह कोसाबाड़ी नगर मंडल में चुनाव अधिकारी ज्योतिनंद दूबे पहुंचेगे। यहां पर अध्यक्ष पद के चंदन सिंह राजेश राठौर, पुनीराम सहित अन्य के नाम चर्चा में है। उरगा मंडल में भी चुनाव अधिकारी आकाश सक्सेना जाएगें। यहां पर अध्यक्ष पद के लिए कमलेश अनंत मनोज धिरहे, ओम साहू, हरीश साहू, किशन साव के नाम चर्चा में है। कुदमुरा मंडल में चुनाव अधिकारी डा. आलोक सिंह जाएगें। यहां पर राजू गुप्ता हेमलाल झाझियां सहित अन्य के नाम सामने आ रहे है। बरपाली मंडल में विकास मंहतो बालको में सतीश झा सहित अन्य मंडलो में भी चुनाव अधिकारी नामो पर चर्चा करते हुए समिति बनाने का प्रयास करेंगे। 45 वर्ष की उम्र निर्धारित होने से दावेदारों की संख्या कम हो गई है।

पंथी नाचा प्रथम प्रतियोगी का मिलेगा 21 हजार

कोरबा। सतनाम कल्याण समिति के द्वारा गुरूघासीदास जयंती समारोह का किया जा रहा है। तीन दिनों चलने वाले इस समारोह में पंथीनाचा प्रतियोगता भी आयोजन किया गया है। प्रथम आने वाले टीम को 21 हजार द्वितीय को 11 हजार रूपए तृतीय को 5 हजार रूपये मिलेगें। इसके अलावा संत्वना पुरूस्कार भी मिलेगा। जयंती समारोह का शुभारंभ 17 दिसंबर को शोभा यात्रा के साथ होगी। दसरे दिन पंथीनाचा प्रतियोगिता होगा। जबकि तीसरे दिन उत्कृष्ट काम करने वाले कार्यकर्ता को सम्मान दिया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बानने में यूआर महिलांगे , रानाराण कुर्रे, डा. जय लहरे, के आर डहरिया , सरजू अजय , आनंद सोनवानी, प्रतिमा सेनवानी, राजेश लहरे, बबलू डहरिया सहित अन्य कार्यकर्ता जुटे हुए है।

यूथ हॉस्टल एसोसिएशन के अर्लेकर निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

कोरबा। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 75 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित प्लैटिनम जुबली समारोह और वार्षिक बैठक रखी गई। समारोह में 10 अलग अलग राज्यो के नृत्य प्रस्तुत किए गए। साथ ही यूथ हॉस्टल का राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव भी संपन्न हुआ। जिसमें बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर निर्विरोध चुन लिए गए । राज्य चेयरमैन संदीप सेठ ने राज्यपाल को दोबारा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर बधाई दी तथा बस्टर आर्ट्स का स्मृति चिन्न भेट किया।

छत्तीसगढ़ का गेड़ी नृत्य छात्र छात्राओं द्वारा दिल्ली में आयोजित यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्लैटिनम जुबली सेलिब्रेशन में प्रस्तुत किया गया। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ राज्य शाखा को गेड़ी नृत्य की प्रस्तुति की जवाबदारी दी गई। गुरुघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर के प्रोफेसर डॉ भास्कर चौरसिया के निर्देशन गेड़ी नृत्य की तैयारी की गई। इकाई सचिव शैलेश शुक्ला और कल्चरल कमिटी की प्रियम खरे ने पूर्ण रूप से सहयोग किया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के गेड़ी और अन्य नृत्य प्रस्तुत किए गए। यूथ हॉस्टल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिहार के राज्यपाल महामहिम राजेन्द्र अर्लेकर ने बच्चो की सराहना करते हुए बधाई दी। गेड़ी डांस में वर्षा, मीनाक्षी, .दिगेश्वर , योगेंद्र ,अमन , लोकेश्वर छात्र शामिल हुए। इस मौके पर राज्य सेक्रेट्री सुब्रमण्यम भी उपस्थित थे।

जेसीआई के शिविर में 56 यूनिट रक्तदान करने आगे आए युवा

कोरबा। मानवता की सेवा ही जीवन का सर्वोत्तम कार्य है। जेसी आस्थाओं की इन्ही उक्त पंक्तियों को साकार करते हुए जेसीआई कोरबा सेंट्रल द्वारा दिनांक रविवार को बिलासा ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वाधान में एक मेगा ब्लड डोनेशन का कार्यक्रम पाम माल में कराया गया। इस विशाल रक्तदान शिविर को मूर्त रूप देने हेतु विगत एक सप्ताह से जनता के बीच जन जागरूकता फैलाने हेतु प्रशिक्षण कैंप शहर के कोरबा कंप्यूटर कौलेज एवं एमसीएमआईटी कॉलेज में लगभग 300 बच्चों के बीच कराया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ शहर से प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. प्रिंस जैन ने फीता काटकर किया एवं उन्होंने स्वयं भी इस शिविर में रक्तदान दिया। इस रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं द्वारा कुल 56 यूनिट रक्तदान किया गया। जिसमे कुछ दुर्लभ रक्त ग्रुप जैसे ए नेगेटिव एवं बी नेगेटिव का भी दान किया गया एवं इस शिविर में महिलाओं ने भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस रक्तदान शिविर के बीच थेलेशिमिया से पीड़ित 5 साल की बच्ची हेतु विशिष्ठ ब्लडग्रुप एबी प्लस की तत्काल आवश्यकता आई जिसे जेसीआई के सदस्य जेसी कपिल विश्वकर्मा ने तत्काल रक्तदान कर पूरा किया। बिलासा ब्लड बैंक ने भी पूजा साहू के नेतृत्व में उनकी टीम ने सुबह दस बजे से लगातार रक्तदान में सहायता प्रदान की। कार्यक्रम का समापन प्रेस क्लब के अध्यक्ष राजेंद्र जायसवाल एवं पाम मॉल के संचालक दिनेश मोदी ने पूरी जेसीआई की टीम को ऐसे समाज सेवी कार्यक्रम के आयोजन हेतु बधाई दी साथ ही कहा कि जेसीआई कोरबा सेंट्रल लगातार समाज सेवी कार्यक्रमों में अग्रणी संस्था रही है तथा भविष्य में भी इसी तरह के सामाजिक कार्यक्रमों में अपना योगदान देते रहने हेतु जेसीआई की युवा पीढ़ी को प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम निर्देशक निस्चल टमकोरिया, उपाध्यक्ष प्रियम अग्रवाल, सचिव सीए अंकित अग्रवाल, एलजीबी सदस्य आयुष अग्रवाल, कपिल विश्वकर्मा, अतुल सतपथी, दीपक केवट, अक्षत अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, नितेश मोदी, सीए टी. एन. बजाज, मोहित सिंघल, हर्ष गुप्ता ने अपना योगदान दिया। कार्यक्रम के बीच जेसीआई के पूर्व अध्यक्ष ई. राज अग्रवाल, घनश्याम अग्रवाल, आनंद रायकवार, मोहित खटोर, आशीष टमकोरिया, अंकित केडिया, अंकित टमकोरिया, सनी मित्तल, उत्कर्ष अग्रवाल एवं लीजेंड के पूर्व अध्यक्ष बजरंग अग्रवाल, सुरेश चावलानी एवं लिजेंड सदस्य विजय केडिया, घनश्याम सिंघल ने कार्यकारिणी का उत्साहवर्धन किया। जेसीआई के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सीए अभिषेक अग्रवाल एवं पूरा जेसीआई परिवार सभी रक्तदाताओ, बिलासा ब्लड बैंक एवं पाम मॉल का धन्यवाद किया। आभार प्रदर्शन सचिव सीए अंकित अग्रवाल ने किया।

स्वच्छता पर रुचि लेने वाले हितग्राहियों का किया सम्मान

कोरबा। कलेक्टर अजीत वसंत व सीईओ जिला पंचायत कोरबा दिनेश कुमार नाग के दिशा निर्देशन में जनपद पंचायत कटघोरा के सभाकक्ष में विश्व शौचालय दिवस 2024 अभियान के तहत हमारा शौचालय- हमारा सम्मान थीम पर विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें ब्लॉक स्तर पर 3 उत्कृष्ट घरेलू शौचालय के लिए ग्राम कोलिहामुडा, मोहनपुर व पौंसरा को और 2 उत्कृष्ट सामुदायिक शौचालय के लिए ग्राम सलोरा क, देवगांव को सीईओ जनपद पंचायत कटघोरा यशपाल सिंह के कर कमलों से सम्मान पत्र व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।

सीईओ यशपाल सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रो में सभी ब्यक्तिगत शौचालय का निरंतर उपयोग करते हुए उसके रख रखाव पर भी ध्यान देवें एवम सामुदायिक शौचालय के उपयोग, मरम्मत व रख रखाव पर भी सरपंच, सचिव को ध्यान देना चाहिए। सीईओ श्री सिंह ने आगे कहा कि गांव में कचरा संग्रहण का कार्य भी स्वच्छाग्रहियों द्वारा निरंतर किया जा रहा है जिससे गांव में स्वच्छता बनी रहे व लोग स्वस्थ रहें। इस अवसर पर एडीईओ द्वय आर के शिवालय, श्रीमती कामना जाटवर, विकासखंड समन्वयक एस बी एम, करारोपड अधिकारी दउवा राम कंवर सहित सरपंच, पंचायत सचिव व रोजगार सहायक उपस्थित थे।

एमपी नगर में बन रहे आयुष्मान कार्ड

कोरबा। कोरबा के महाराणा प्रताप नगर वार्ड संख्या 24 स्थित शासकीय उचित मूल्य की दुकान में आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए शिविर लगाया गया है। क्षेत्रीय पार्षद आशा जायसवाल ने बताया कि जन सामान्य आधार कार्ड और राशन कार्ड के साथ यहां उपस्थिति दर्ज कराकर अपने आयुष्मान कार्ड बना सकते हैं। सरकार के द्वारा आयुष्मान स्वास्थ्य योजना लागू की गई है और इसके माध्यम से शासकीय व अनुबंध अस्पतालों में निशुल्क चिकित्सा सुविधा प्राप्त करने का विकल्प दिया गया है।

***कोरबा।** शारदा विहार सहित कई वार्डों में नई पाइपलाइन बिछाने का काम किया जा रहा है। इस प्रकार के कार्यों पर अब सवाल उठ खड़े हुए हैं।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com